तापमान
अधिकतम 44.0 डिग्री
न्यूनतम 26.0 डिग्री

हरिभूमि
कोरबा भूमि

बिलासपुर, शुक्रवार 31 जुलाई 2026

दीपका | कटघोरा | छुरी | पाली | करतला | पोड़ीउपरोड़ा

3 गुरु पूर्णिमा पर मां सर्वमंगला घाट पर हसदेव आरती का हुआ आयोजन

खबर संक्षेप

प्रदेश कांग्रेस की दिल्ली में उच्च स्तरीय बैठक संपन्न

कोरबा। नई दिल्ली के इंदिरा भवन में कांग्रेस संगठन की छत्तीसगढ़ से संबंधित एक उच्च स्तरीय बैठक आयोजित हुआ। बैठक में छत्तीसगढ़ कांग्रेस प्रभारी सचिन पायलट, प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज, नेता प्रतिपक्ष डॉ.चरण दास महंत, प्रदेश सह प्रभारी जरीता लैतफ्लांग, विजय जांगिड़ एवं पूर्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल, शामिल हुए। बैठक में छत्तीसगढ़ में पार्टी के संगठनात्मक बूथ स्तर पर आगामी राजनीतिक रणनीतियों की समीक्षा की गई। बैठक पश्चात प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट ने प्रेस को संबोधित किया।

कलेक्टर ने एल्डरमेन तोमर को दिलाई शपथ

कोरबा। कलेक्टर कुणाल दुदावत ने शासन द्वारा नामांकित पार्षद (एल्डरमेन) शिवबालक सिंह तोमर को पद की शपथ ग्रहण कराई, इस मौके पर आयुक्त आशुतोष पाण्डेय के साथ ही वरिष्ठ पार्षद व सचेतक सत्येन्द्र दुबे, पार्षद युगल किशोर कैवर्त, उपायुक्त पवन वर्मा, निगम सचिव रामेश्वर सिंह कंवर आदि उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि विगत दिनों कलेक्टर श्री दुदावत ने राज्य शासन द्वारा निगम में नियुक्त किये गये नामांकित पार्षदों (एल्डरमेनों) को शपथ ग्रहण कराई थी किन्तु एल्डरमेन शिवबालक सिंह तोमर अस्पताल में भर्ती होने के कारण शपथ ग्रहण नहीं कर पाये थे, उन्हें अस्पताल से कलेक्ट्रेट लाया गया, जहां कलेक्टर श्री दुदावत ने श्री तोमर को शपथ ग्रहण कराई।

पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति के लिए ऑनलाइन पंजीयन की सूचना

कोरबा। जिले में संचालित समस्त शासकीय, अशासकीय महाविद्यालयों, मेडिकल कॉलेज, इंजीनियरिंग कॉलेज, पॉलिटेक्निक, नर्सिंग कॉलेज, आईटीआई एवं डाईट आदि के प्राचार्य, संस्था प्रमुख, छात्रवृत्ति प्रभारी एवं संस्थान में अध्ययनरत अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के ऐसे विद्यार्थी जो राज्य शासन द्वारा संचालित पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति की पात्रता रखते हैं उन्हे सूचित किया गया है कि शिक्षा सत्र 2026-27 के लिए ऑनलाइन पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति (कक्षा 12वीं से उच्चतर) के पंजीयन, स्वीकृति की कार्यवाही वेबसाइट पर ऑनलाईन की जा रही है। सहायक आयुक्त आदिवासी विकास कोरबा ने बताया कि राज्य शासन द्वारा वर्ष 2026-27 छात्रवृत्ति हेतु ऑनलाइन आवेदन/प्रस्ताव/स्वीकृति की तिथि निर्धारित की गई है।

चन्द्रनाहू विकास महासमिति की बैठक संपन्न

कोरबा। वर्तमान परिवेश में सभी को समाज में एकजुट होकर रहने की आवश्यकता है, समाज के लोग जब एक साथ मिलकर रहते हैं तब समाज मजबूत होता है। समाज मे अनेकों सामाजिक कार्यक्रम व समय आने पर लोग एक दूसरे का सहयोग करते हैं। उक्त उद्बोधन चन्द्रनाहू (चन्द्रा) विकास महासमिति छत्तीसगढ़ के केंद्रीय उपाध्यक्ष लक्ष्मण चन्द्रा ने श्री बालाजी मंदिर रोड स्थित तेजराम चन्द्रा के निवास स्थान में 18 जुलाई को आयोजित बैठक में कहा। उपस्थित सभी स्वजातीयजनों ने चन्द्रनाहू (चन्द्रा) समाज कोरबा के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष बनवारी चन्द्रा का स्वागत कर उन्हें बधाई व शुभकामनाएं दी। नवनियुक्त जिलाध्यक्ष बनवारी चंद्रा ने कहा कि कोरबा के सभी सामाजिक बंधुओं के सहयोग से कोरबा में पूर्व की भांति सामाजिक गतिविधियां निरंतर संचालित होते रहेंगे। केंद्रीय महासमिति द्वारा मुझे जो जिम्मेदारी दी गई है उसे मैं पूरा करने का भरसक प्रयास करूंगा।

एनटीपीसी कोरबा और बीएचईएल 800 मेगावाट की नई इकाई स्थापना पर कर रहा विचार

लगभग 15 हजार करोड़ की स्थापना लागत का अनुमान

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

एनटीपीसी कोरबा और बीएचईएल 800 मेगावाट क्षमता वाले उन्नत अल्ट्रा-सुपरक्रिटिकल विद्युत संयंत्र स्थापित करने पर विचार कर रहे हैं। इस उच्च दक्षता वाले संयंत्र की अनुमानित लागत लगभग 15 हजार करोड़ रुपए है। अंतिम निर्णय व्यवहार्यता अध्ययन और संबंधित मंत्रालयों से अनुमोदन प्राप्त होने के बाद लिया जाएगा।

एनटीपीसी-बीएचईएल देश का पहला 800 मेगावाट का उन्नत अल्ट्रा-सुपरक्रिटिकल (एयूएससी) प्रौद्योगिकी आधारित विद्युत संयंत्र जिले में स्थापित किया जा सकता है, जहां एनटीपीसी कोरबा पहले ही 2600 मेगावाट की इकाई का संचालन कर रही है। काफी खोजबीन के बाद कंपनियों ने कोरबा को उच्च दक्षता वाले संयंत्र के विकास के लिए स्थल के रूप में चुना है और इस स्थल के लिए व्यवहार्यता अध्ययन शुरू हो गया है। सूत्रों की मानें तो प्रारंभिक अनुमानों के अनुसार संयंत्र की लागत लगभग 15 हजार करोड़ रुपए हो सकती है। अंतिम लागत का अनुमान रिपोर्ट आने के बाद लगाया जाएगा। सरकार ने अपने बजट में एयूएससी प्रौद्योगिकी पर आधारित इस विद्युत संयंत्र के लिए वित्तीय सहायता का प्रस्ताव रखा था, जिससे उच्च दक्षता वाली स्वदेशी प्रौद्योगिकी को बढ़ावा मिलेगा। सूत्रों ने बताया कि व्यवहार्यता अध्ययन रिपोर्ट आने के बाद ही विद्युत और भारी उद्योग मंत्रालयों से इस स्थल के लिए अंतिम मंजूरी मिलने की संभावना है। बीएचईएल, इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र और एनटीपीसी ने इस प्रौद्योगिकी को विकसित किया है, जिससे यह इस तरह की पहली स्वदेशी प्रौद्योगिकी बन गई है।

खास बातें

- एनटीपीसी पहले ही 2600 मेगावाट की इकाई का कर रहा है संचालन
- स्वदेशी प्रोदौग्योकी कीो मिलेगा बढ़ावा

चार महीने में जुटा पाया 225 करोड़ का राजस्व लक्ष्य

बीते वर्ष लक्ष्य से पिछड़ा फिर भी खनिज विभाग को 2573 करोड़ का मिला लक्ष्य

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

राजस्व वसूली के मामले में अव्वल रहने वाला कोरबा का खनिज विभाग बीते वित्तीय वर्ष में अपने लक्ष्य से पिछड़ गया था। इसके बाद भी इस वित्तीय वर्ष में जिले के खनिज विभाग को 2573.50 करोड़ का राजस्व का लक्ष्य दिया गया है। लक्ष्य को हासिल करने के लिए खनिज विभाग की टीम ने दमखम दिखाना शुरू कर दिया है। चार महीन के भीतर ही खनिज विभाग ने 224.92 करोड़ का लक्ष्य जुटा लिया है।

राजस्व वसूली के मामले में अव्वल रहने वाला कोरबा का खनिज विभाग वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए राजस्व लक्ष्य को कम करते हुए 2545 करोड़ का राजस्व लक्ष्य दिया था और इस राजस्व लक्ष्य को हासिल करने के लिए के लिए खनिज विभाग की टीम लगी हुई थी और लगभग 90 फीसदी राजस्व लक्ष्य पूरा कर पाया था, जबकि शत प्रतिशत राजस्व लक्ष्य को हासिल करने में विभाग पिछड़ गया था। इस वर्ष पुनः जिला खनिज विभाग को 2573.50 करोड़ का राजस्व लक्ष्य दिया गया है। जिसके एवज में बीते चार महीनों में खनिज विभाग ने 224 करोड़ 92 लाख का राजस्व लक्ष्य हासिल कर लिया है। खनिज विभाग के सहायक उप संचालक प्रमोद कुमार नायक ने बताया कि जिले में राजस्व वसूली में सबसे ज्यादा कोयले की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका होती है। जिले के प्रमुख कोयला खदानों में गेवरा, दीपका, कुसमुंडा व कोरबा एरिया, सरईपाली, बुड़बुड़, बांकीमोंगरा खदान शामिल है जहां से खनिज विभाग को लगभग 99 फीसदी राजस्व कोयले से ही मिलता है। बचे शेष राजस्व गौण खनिज रेत, गिट्टी, मुरुम और मिट्टी से भी राजस्व प्राप्त होता है। जिले में प्रतिवर्ष खनिज विभाग का राजस्व लक्ष्य बढ़ता ही जा रहा है

फाइल फोटो

2573 करोड़ का मिला है लक्ष्य

वित्तीय वर्ष 2026-27 में खनिज विभाग को 2573.50 करोड़ का राजस्व का लक्ष्य दिया गया है। जिसके एवज में अब तक 224 करोड़ 92 लाख राजस्व लक्ष्य जुटाया गया है।

-प्रमोद कुमार नायक, उप संचालक खनिज विभाग कोरबा

ट्यूशन जा रहे छात्रों की तेज रफ्तार स्कूटी टकराई डिवाइडर से, एक की मौत, एक गंभीर

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

कक्षा नौवीं में अध्यनरत दो छात्र स्कूटी में सवार होकर घर से टयूशन जाने के नाम पर निकले थे। ट्यूशन जाते समय रास्ते में उनकी तेज रफ्तार स्कूटी अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। इस हादसे में दोनों छात्र गंभीर रूप से घायल हो गए। जिसमें एक छात्र की मौत हो गई है जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल है। जिसे शहर के एक निजी अस्पताल में दाखिल कराया गया है। जिसका उपचार चल रहा है। छात्र की मौत हो जाने से परिजनों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। पुलिस मामले में मर्ग कायम पर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत मिशन रोड निवासी हर्षवर्धन 13 वर्ष पिता भूपेंद्र सिंह, वंशु कुमार जोशी 13 वर्ष पिता विमल कुमार जोशी संट जेवियर स्कूल में कक्षा नौवीं के छात्र थे। बताया जाता है कि दोनों आपस में दोस्त थे और बुधवार की शाम लगभग 6:30 बजे दोनों स्कूटी वाहन में सवार होकर अपने घर से टीपी नगर ट्यूशन क्लास आ रहे थे। इस दौरान हर्षवर्धन स्कूटी चला रहा था और सुनालिया मोड़ के समीप उनकी तेज रफ्तार स्कूटी वहां अचानक अनियंत्रित हो गई और डिवाइडर से टकरा गई। इस हादसे में हर्षवर्धन और वंश गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय राहगीरों की मदद से दोनों को उपचार के लिए शहर के एक निजी अस्पताल में दाखिल कराया गया। जहां इलाज के दौरान गुरुवार को हर्षवर्धन की मौत हो गई है, जबकि वंश का उपचार चल रहा है। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

खास बातें

- सुनालिया रोड पर हुआ हादसा, परिजनों पर टूटा पहाड़
- सीएसईबी चौकी पुलिस मामले की कर रही है जांच, लगातार बढ़ रही हैं सड़क दुर्घटनाएं

पीडीएस का राशन परिवहन में लापरवाही पर सख्ती

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के तहत खाद्यान्न परिवहन में लापरवाही बरतने वाले अधिकृत परिवहनकर्ताओं पर जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है।

खास बात

- समय पर नहीं पहुंचाने वाले ट्रांसपोर्टर पर लगेगी पेनाल्टी

27 जुलाई को जारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि उचित मूल्य दुकानों तक निर्धारित समय-सीमा में खाद्यान्न नहीं पहुंचाने वाले परिवहनकर्ताओं से पहले नियमानुसार पेनाल्टी वसूली जाएगी और इसके बाद ही उनके बिलों का भुगतान किया जाएगा।

शिकायत में आरोप लगाया गया था कि नागरिक आपूर्ति निगम के अधिकृत परिवहनकर्ता समय पर उचित मूल्य दुकानों तक खाद्यान्न नहीं पहुंचा रहे हैं। समय पर राशन नहीं पहुंचने के कारण शासन के निर्देशानुसार हर महीने की 7 तारीख को आयोजित होने वाला 'चावल उत्सव' प्रभावित हो रहा है। इससे राशन हितग्राहियों को समय पर खाद्यान्न मिलने में परेशानी हो रही है। कलेक्टर (खाद्य शाखा) कार्यालय से अपर कलेक्टर द्वारा जारी आदेश में जिला प्रबंधक, नागरिक आपूर्ति निगम को परिवहन व्यवस्था बेहतर करने के निर्देश दिए गए हैं। आदेश के मुताबिक, जरूरत के अनुसार अधिक हमाल और अतिरिक्त वाहन उपलब्ध कराए जाएं, ताकि निर्धारित समय-सीमा के भीतर जिले की सभी उचित मूल्य दुकानों में खाद्यान्न का भंडारण सुनिश्चित किया जा सके। इसके साथ ही तय समय में खाद्यान्न नहीं पहुंचाने वाले परिवहनकर्ताओं पर नियमानुसार पेनाल्टी लगाई जाएगी। पेनाल्टी की राशि जमा होने के बाद ही संबंधित परिवहनकर्ता के बिल का भुगतान किया जाएगा।

फाइल फोटो

पोड़ी बीईओ कार्यालय में मौखिक निर्देश के नाम पर नियमों को रखा ताक पर

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

लोक शिक्षण संचालनालय के आदेश को बीईओ पोड़ी उपरोड़ा ने ठेंगा दिखा दिया है। संचालनालय ने 15 जुलाई को आदेश जारी कर कहा था सभी संलग्न गैर शैक्षणिक कर्मचारी एक सप्ताह में मूल संस्था में लौटें लेकिन बीईओ कार्यालय ने इस आदेश के ठीक 13 दिन बाद 28 व 29 जुलाई को तीन नए कर्मचारियों की संलग्नता कर दी।

लोक शिक्षण संचालनालय के आदेश के अनुसार शासकीय कार्यालयों में कार्यरत समस्त गैर शैक्षणिक कर्मचारियों को एक सप्ताह के भीतर मूल पदस्थापना संस्था में कार्यभार ग्रहण करना होगा। निर्धारित समय- सीमा के बाद लौटने वालों का ब्रेक इन सर्विस किया जाएगा। संचालनालय का उद्देश्य अटैचमेंट पर जमे शिक्षकों को स्कूलों में वापस भेजना है लेकिन पोड़ी उपरोड़ा बीईओ के. राजेश्वर दयाल ने संचालनालय के उक्त आदेश को 13 दिन बाद खूंटी में टांग दी और तीन आदेश जारी किए, जिसमे 28 जुलाई को पवन कुमार श्रीवास्तव, सहायक ग्रेड- 2, शा.उ.मा.वि. लमना को बीईओ कार्यालय पोड़ी उपरोड़ा में प्रदीप कुमार मिश्रा के निलंबन एवं अभिषेक राव आहेर का तहसील कार्यालय अटैच होने के कारण अन्य आदेश पर्यन्त तक पदस्थ किया गया। इसी प्रकार श्रीमती पूजा द्विवेदी लेखापाल, कार्यालय विकासखण्ड स्रोत समन्वयक पोड़ी उपरोड़ा के द्वारा मातृत्व अवकाश में जाने के कारण छवि कुमार अहिरवार, सहायक ग्रेड- 2, शा.उ.मा.वि. मोरगा को बीआरसी कार्यालय पोड़ी उपरोड़ा में अवकाश से आने तक लेखापाल का काम सौंपा गया। वहीं 29 जुलाई को गुरुशरण प्रताप सिंह, सहायक ग्रेड-02, शा.उ.मा.वि. माचाडोली को कार्यालय विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी पोड़ी उपरोड़ा में प्रदीप कुमार मिश्रा के निलंबन एवं अभिषेक राव आहेर का तहसील कार्यालय में संलग्न होने के कारण अन्य आदेश पर्यन्त कार्य करने हेतु आदेशित किया गया। बीईओ द्वारा जारी उक्त तीनो आदेश में डीईओ के मौखिक आदेश का हवाला दिया गया है। इस संलग्नता को लेकर विभागीय सूत्रों का कहना है कि बीईओ कार्यालय में स्टाफ की भारी कमी है। एक लिपिक निलंबित, एक तहसील अटैच और महिला लेखापाल मातृत्व अवकाश पर है। इसी कारण मजबूरी में संलग्न किया गया है। लेकिन सवाल ये है कि मजबूरी के नाम पर क्या नियम तोड़े जा सकते हैं। 15 जुलाई को लिखित आदेश आया कि अटैचमेंट खत्म करो और ⏭ शेष पेज 3 पर

खास बातें

- लोक शिक्षण संचालनालय ने संलग्न शिक्षकों को एक सप्ताह में वापसी का दिया निर्देश
- बीईओ ने 13 दिन बाद कर दी संलगनता

शिक्षा विभाग में अफसरशाही हावी

गौर करने वाली बात यह है कि ऊपर से आदेश आता है अटैचमेंट खत्म करो, नीचे बीईओ नए सिरे से अटैचमेंट कर देते हैं। इसका मतलब यह हुआ कि पोड़ी उपरोड़ा शिक्षा विभाग में अफसरशाही हावी है और सिस्टम को अपने हिसाब से चलाया जा रहा है। जहां नियम से ज्यादा मौखिक आदेश चल रहे हैं तथा संचालनालय आदेश की खुलकर अवहेलना हो रही। इस मामले पर प्रतिक्रिया जानने बीईओ के. राजेश्वर दयाल से संपर्क करने का प्रयास किया गया लेकिन उनसे संपर्क नही हो पाया, जिसके कारण उनकी प्रतिक्रिया नही मिल पायी। बहरहाल कलेक्टर को इस पर गंभीरता से संज्ञान लेकर मनमानी पर लगाम लगाते हुए संचालनालय आदेश का अक्षरशः पालन कराया जाना चाहिए।

वन विभाग की टीम ने 15 घंटे चलाया रेस्क्यू ऑपरेशन

कुएं में गिरा था भालू, जेसीबी से गड्ढा कर बनाया गया रास्ता, सीढ़ी के रास्ते आया बाहर

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

एक भालू कुएं में गिर गया था। जब इसकी भनक ग्रामीणों को लगी तो उन्होंने इसकी सूचना वन विभाग के अधिकारियों को दी। जिसके बाद वन विभाग के अफसरों की टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू आपरेशन शुरू किया गया। घंटों मशक्कत के बाद कुएं में गिरे भालू का सुरक्षित रेस्क्यू कर उसे कुएं से बाहर निकाला गया।

मामला कटघोरा वन मंडल के वन परिक्षेत्र केंदई अंतर्गत ग्राम छिंदिया की है। यहां एक भालू के कुएं में गिरने की सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम तत्काल मौके पहुंची तथा भालू को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन प्रारंभ किया। कुएं की अधिक गहराई होने तथा भालू के भयभीत होने के कारण उसे सुरक्षित बाहर निकालना चुनौतीपूर्ण कार्य था। रेस्क्यू के दौरान इस बात का विशेष ध्यान रखा गया कि भालू को किसी प्रकार की चोट न पहुंचे। वन विभाग की टीम द्वारा उसे बाहर निकालने के लिए विभिन्न उपाय किए गए, किंतु प्रारंभिक प्रयास में सफल नहीं हो सके। इसके बाद जेसीबी मशीन की सहायता से कुएं के एक ओर की मिट्टी खोदकर ढलाननुमा रास्ता तैयार किया गया। साथ ही भालू के बाहर निकलने के लिए कुएं के अंदर बांस की मजबूत सीढ़ी लगाई गई। रेस्क्यू स्थल से अनावश्यक भीड़ को हटाकर क्षेत्र को शांत कर दिया गया, जिससे भालू बिना किसी बाधा के स्वयं बाहर निकल सके। लगभग 15 घंटे तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद रात्रि करीब 9:30 बजे भालू बांस की सीढ़ी एवं जेसीबी से तैयार किए गए रास्ते की सहायता से सुरक्षित रूप से कुएं से बाहर निकला तथा समीपस्थ जंगल की ओर चला गया। भालू के सुरक्षित बाहर निकलने के बाद वन विभाग की टीम एवं ग्रामीणों ने राहत की सांस ली।

कुएं में गिरा भालू।

टीम में ये थे शामिल

रेस्क्यू ऑपरेशन वनमंडलाधिकारी कटघोरा कुमार निशांत के निर्देशन एवं उप वनमंडलाधिकारी संजय कुमार त्रिपाठी के मार्गदर्शन में किया गया। इस दौरान वन परिक्षेत्र अधिकारी अभिषेक कुमार दुबे, वनपाल शारदा प्रसाद शर्मा, वनपाल मंगल सिंह नायक, वनरक्षक गंगाराम नेताम, वनरक्षक अशोक कुमार श्रीवास, वनरक्षक मुरारी लाल साहू, वनरक्षक प्रहलाद सिदार, हाथी मित्र दल के संदीप उइके एवं भोला यादव शामिल रहे। जिन्होंने ग्रामीणों के साथ मिलकर रेस्क्यू कार्य किया।

आवारा मवेशियों के विरुद्ध अभियान तेज

कोरबा। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी कुणाल दुदावत के निर्देश पर शहर में सड़क पर घूमने वाले आवारा एवं घुमंतू मवेशियों के कारण होने वाली सड़क दुर्घटनाओं पर रोक लगाने तथा आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विशेष अभियान चलाया जा रहा है। कलेक्टर ने नगर निगम एवं संबंधित विभागों को निर्देश दिए हैं कि सड़कों पर विचरण करने वाले मवेशियों को तत्काल पकड़कर उनके मालिकों की पहचान की जाए तथा नियमानुसार जुर्माना वसूलने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। कलेक्टर ने पशुधन विकास एवं पशु चिकित्सा विभाग को भी निर्देशित किया है कि नगर निगम के साथ समन्वय स्थापित कर शहर में घूमने वाले मवेशियों के चिन्हांकन एवं सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं।

खबर संक्षेप

एएसपी प्रतिभा ने सशस्त्र बल कमांडेंट का लिया चार्ज

बिलासपुर। एएसपी प्रतिभा तिवारी ने दूसरी वाहनी सशस्त्र बल कमांडेट का चार्ज ले लिया है।

पिछले दिनों पुलिस मुख्यालय से महासमुंद जिले में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के रूप में पदस्थ रहीं प्रतिभा तिवारी की दूसरी बटालियन सकरी में सेनानी कमांडेंट के रूप में तबादला हुआ था। बुधवार को उन्होने सकरी दूसरी बटालियन पहुंचकर सेनानी कमांडेट का पदभार ग्रहण कर लिया है। इस दौरान उन्हें गार्ड ऑफ आऊनर देकर सम्मानित किया गया और अधिकारियों व जवानों के द्वारा आत्मीय स्वागत किया गया है। इसके पहले वे महासमुंद, मुंगेली जिले में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के पद पर पदस्थ थे। पदभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने अधिकारियों की बैठक लेकर स्पष्ट कि वाहिनी में अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा और जवानों का कल्याण उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। उन्होंने विश्वास व्यक्ति किया कि छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल की 2 री वाहिनी राज्य की सुरक्षा और कानून व्यवस्था बनाए रखने में पूरी मुस्तैदी और समपर्ण के सथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करती रहेगी।

जिले में 25 मलेरिया मरीज एक्टिव

बिलासपुर। स्वास्थ्य विभाग की जांच जैसे बढ़ने लगी है, वैसे ही मलेरिया मरीज भी मिल रहे है। गुरूवार को 3 मरीज कोटा ब्लॉक में मिले है, जिसके बाद जिले में अबतक 25 मरीज सामने आ चुके है। खास बात यह है कि कोटा ब्लॉक में ही मलेरिया के मरीज पाए जा रहे है। गुरूवार को 125 घरों का सर्वे किया गया है।

136 टिकिट दलालों से 31.33 लाख रुपए की टिकिट जब्त

बिलासपुर। रेलवे सुरक्षा बल की टीम ने 136 टिकिट दलालों से 31.33 लाख रुपए की टिकिट जब्त की है। एसईसीआर के तीनों डिवीजन बिलासपुर, रायपुर और नागपुर में टिकिट दलाली रोकने के लिए आरपीएफ का अभियान चल रहा है। पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान 278 अवैध टिकिट दलालों को गिरफ्तार कर 63.39 लाख रुपए की टिकिट बरामद कर रेलवे एक्ट 143 के तहत कार्रवाई की गई। इस वर्ष में आरपीएफ की टीम ने 136 टिकिट दलालों को पकड़कर 31.3 लाख रुपए की टिकिट जब्त की है।

मनकठा स्टेशन में रोकी जाएगी साउथ बिहार एक्सप्रेस

बिलासपुर। श्रावणी मेला के अवसर पर दुर्ग से आरा के बीच चल रही साउथ बिहार एक्सप्रेस का अस्थायी स्टापेज मनकठा स्टेशन में दिया जाएगा। 30 जुलाई से 28 अगस्त तक 13287 दुर्ग से आरा के बीच चलने वाली साउथ बिहार एक्सप्रेस मनकठा स्टेशन में 4.11 बजे से 4.13 बजे तक और 30 जुलाई से 28 अगस्त तक 13288 आरा-दुर्ग साउथ बिहार एक्सप्रेस मनकठा स्टेशन में 22.37 बजे से 22.39 बजे तक रोकी जाएगी।

92 आधुनिक ट्रैक मशीन रेल संरक्षा को दे रही मजबूती

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे करीब 5500 ट्रैक किलोमीटर के विशाल रेल नेटवर्क पर प्रतिदिन 400 से अधिक यात्री एवं मालगाड़ियों का परिचालन कर रहा है। रेलवे में तीसरी व चौथी एवं नई रेल लाइन निर्माण के साथ विद्यमान रेलपथ के अनुरक्षण में ट्रैक मशीनों की भूमिका निरंतर बढ़ रही है। विशेष रूप से नागपुर से झारसुगुड़ा मुख्य रेलखंड पर 130 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से रेल परिचालन को ध्यान में रखते हुए ट्रैक अनुरक्षण की आवश्यकता बढ़ गई है। 92 आधुनिक ट्रैक मशीनें रेल पथ अनुरक्षण के लिए कार्यरत है, जिसमें सीएसएम, ड्योमैटिक, एमपीटी, यूनिमेट, बीसीएम, एफआरएम, पीक्यूआरएस, टी-28, बीआरएम, डीजीएस, यूटीवी मशीन के संचालन एवं रखरखाव के लिए 900 प्रशिक्षित कर्मचारी कार्य कर रहे हैं।

आंबा सहायिका पद पर भर्ती के लिए आवेदन आमंत्रित

जांजगीर-चांपा। एकीकृत बाल विकास परियोजना बलौदा अंतर्गत ग्राम पंचायत करमंदा के आंगनबाड़ी केन्द्र करमंदा 59 में सहायिका पद हेतु आवेदन आमंत्रित किया गया है।

80 हजार ग्राहकों के ई-केवायसी पेंडिंग, घरेलू कीमत में सिलेंडर देने पर रोक

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

सोलह अगस्त तक अपने एलपीजी कनेक्शन का ई-केवायसी नहीं करवाने वाले ग्राहकों को घरेलू कीमतों में रिफिल जारी करने पर रोक लगा दी गई है।

मंत्रालय द्वारा जारी इस आदेश के अंतर्गत सत्रह अगस्त से बगैर ई-केवायसी श्रेणी वाले ग्राहकों को घरेलू कीमत में सिलेंडर नहीं दिया जाएगा। आज की स्थिति में एचपीसीएल, आईओसीएल एवं भारत गैस को मिलाकर जिले में करीब 80 हजार एलपीजी ग्राहकों के ई-केवायसी पेंडिंग हैं। सरकार ने एलपीजी कनेक्शन के केवायसी को लेकर अब कड़ा रूख अपनाना प्रारंभ कर दिया है। इससे पहले एलपीजी कंपनियों के द्वारा अपने ग्राहकों को फोन कॉल्स एवं पंजीकृत मोबाईल पर टेक्स्ट मैसेज के जरिए लगभग दो साल पहले से ई-केवायसी कराने का संदेश दिया जाता रहा है, लेकिन अब भी हजारों की संख्या में ई-केवासीसी पेंडिंग होने के कारण अब सरकार द्वारा कड़ा रूख अपनाया जा रहा है। शासन द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार एलपीजी के तीनों कंपनियों के कनेक्शन धारकों को हर हाल में 16 अगस्त तक अपना ई-केवायसी अपटेड करवाना है। इस तिथि तक भी केवायसी पूरा नहीं कर पाने वालों को घरेलू कीमतों में सिलेंडर नहीं देने के निर्देश जारी किए गए हैं।

- मंत्रालय के निर्देश, सत्रह अगस्त से प्रभावशील

निर्देश तीनों कंपनियों के लिए

16 अगस्त तक अपना ई-केवायसी नहीं कराने वाले एलपीजी ग्राहकों को घरेलू कीमतों पर सिलेंडर नहीं देने के निर्देश प्राप्त हुए हैं। यह निर्देश तीनों ही कंपनियों के लिए लागू है। जिले में आईओसीएल के 1 80 लाख एलपीजी ग्राहक हैं, जिनमें करीब 40 हजार ग्राहकों के ई-केवायसी पेंडिंग हैं। सत्रह अगस्त से बगैर केवायसी वाले ग्राहकों को घरेलू दरों पर रिफिल प्राप्त करने में परेशानी हो सकती है।

-हेमप्रकाश साहू
नोडल अधिकारी आईओसीएल

रेट बढ़ेगा, कमर्शियल का चार्ज लगेगा या जीएसटी बढ़ेगी?

ई-केवायसी नहीं कराने वालों को 17 अगस्त से घरेलू कीमतों सिलेंडर नहीं दिया जाना है, लेकिन किन दरों पर दिया जाना है यह अभी तय नहीं किया गया है। नाम नहीं छापने की शर्त पर इस क्षेत्र के एक जानकार ने बताया कि सरकार इसके लिए तीन में किसी एक विकल्प का चयन कर सकती है। या तो सरकार ऐसे ग्राहको के लिए एलपीजी की कीमत में बढ़ोतरी कर देगी, या फिर कमर्शियल की दर पर ही घरेलू रिफिल भी दिए जा सकते हैं। तीसरा विकल्प यह हो सकता है कि शासन जीएसटी की दर में बढ़ोतरी कर इस श्रेणी के ग्राहकों पर अधिक कीमत चार्ज कर सकती है। हालांकि इस संबंध में उन्होंने सिर्फ अपना अनुमान लगाने की बात कही है।

उज्जवला ग्राहकों को नजर आ रहे सब्सिडी के तीन सौ रूपए

सरकार ने उज्जवला योजना के अंतर्गत गैस कनेक्शन चलाने वाले ग्राहकों को बिना केवायसी के सिलेंडर देने पर ही मनाही कर रखी है। सामान्य श्रेणी के एलपीजी उपभोक्ताओं को सरकार से सब्सिडी के रूप में 67 रूपए प्राप्त होते हैं, जबकि उज्जवला योजना के अंतर्गत गैस कनेक्शन इस्तेमाल कर रहे ग्राहकों को सीधे तीन सौ रूपए की सब्सिडी प्राप्त होती है। ऐसे में उज्जवला वाले ग्राहकों को केवायसी नहीं कराने की स्थिति में हर बार सीधे तीन सौ रूपए का नुकसान नजर आ रहा है।

शिकायत पर शिक्षा विभाग में विभागीय जांच

चिकित्सा प्रतिपूर्ति क्लेम में हेराफेरी कर 9 लाख रुपए गबन, शिक्षक के खिलाफ जुर्म दर्ज

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

चिकित्सा प्रतिपूर्ति क्लेम में कुटरचित दस्तावेज से 9 लाख रुपए निकालकर गबन करने वाले शिक्षा विभाग के एलबी शिक्षक के खिलाफ पुलिस ने धोखाधड़ी का जुर्म दर्ज कर लिया है।

कोतवाली टीआई देवेश सिंह राठौर ने बताया कि विकासखंड शिक्षा अधिकारी के बाबू सौरभ मजुमदार पिता अनंत कुमार मजुमदार ने थाने में लिखित शिकायत की शिक्षा विभाग में पदस्थ एलबी शिक्षक साधेलाल पटेल ने वर्ष 2022 से 2024 तक चिकित्सा प्रतिपूर्ति क्लेम में हेरफेर कर कुटरचित दस्तावेज लगाकर 9 लाख रुपए गबन कर दिया है। इसके अलावा उसने 3 से 4 और क्लेम पैसा लेने के लिए किया हुआ है। उक्त क्लेम की राशि उसे नहीं मिल पाया है। शिकायत पर शिक्षा विभाग में विभागीय जांच किया गया था। जांच शिक्षक साधेलाल पटेल के द्वारा फर्जी दस्तावेज तैयार कर क्लेम कर शासन को 9 लाख रुपए की आर्थिक क्षति पहुंचाया है और भी क्षति पहुंचाने के लिए उसके द्वारा क्लेम किया हुआ है। पुलिस ने बाबू की रिपोर्ट पर एलबी शिक्षक साधेलाल पटेल के खिलाफ धोखाधड़ी का जुर्म दर्ज कर लिया है।

हरिभूमि में 23 मई को प्रकाशित खबर।

हरिभूमि में 4 जुलाई को प्रकाशित खबर।

सभी बिल में एडीट किया गया था

जांच में खुलासा हुआ कि एलबी शिक्षक साधेलाल के द्वारा सभी बिलों में एडिट किया गया था और बढाचढ़ा कर बनाया गया था। जिस वक्त बीमार बताया, उस वक्त वह ड्यूटी में था। वहीं दूसरे के नाम की बिल की कुटरचना किया गया था।

एक जीवित एक मृत के नाम पर लिया क्लेम

बताया जाता है कि आरोपी साधेलाल पटेल ने अपनी पत्नी, साला एक जीवित, एक मृत के नाम पर कुटरचित और फर्जी दस्तावेज, फर्जी स्टांप और साइन कर बोगस मेडिकल बिल जमाकर 30 लाख रुपए निकालने की साजिस रचते हुए स्वास्थ विभाग में क्लेम लेने के लिए आवेदन जमा किया था। जांच में दस्तावेज फर्जी पाए जाने पर स्वास्थ विभाग के द्वारा बिल जारी नहीं किया था और स्वास्थ विभाग के द्वारा मामले में एफआईआर कराने की अनुशंसा की गई थी।

6 घण्टे की मशक्कत के बाद निकाला गया कैदी का शव

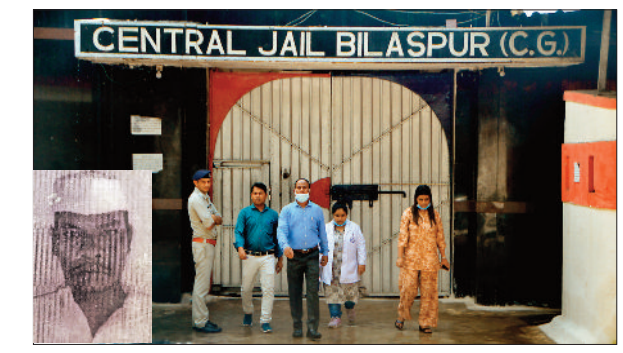

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

सेंट्रल जेल में दो जज व परिजन की उपस्थिति में 6 घण्टे की मशक्कत के बाद गैसकटर से 4 बाई 3 के कन्टेनर में लगी लोहे की चादर काटकर कैदी का शव बाहर निकाला गया। मृतक का शव कन्टेनर के अंदर बैठी हालत में था। वीडियोग्राफी के साथ चार डाक्टरों की टीम के द्वारा पोस्टमार्टम के बाद शव परिजन को सौंप दिया गया है। मृतक पाकशाला के गैसीफायर प्लांट में लकड़ी डालने का काम करता था। घरवालों के अनुसार, वह पैरोल के आवेदन पर पिता के द्वारा हस्ताक्षर नहीं करने से परेशान था।

29 जुलाई को शाम 4 बजे केन्द्रीय जेल में दोहरे हत्याकांड में आजीवन कारावास की सजा काट रहे कैदी जांजगीर चांपा जिला के बम्हनीनडीह निवासी राहुल उर्फ विकेश कंवर पिता अमर सिंह कंवर 46 साल ने गैसीफायर में कूदकर आत्महत्या कर ली थी। 30 जुलाई की सुबह 9 बजे दो जज, सिविल लाइन पुलिस, एसडीआरएफ की टीम केन्द्रीय जेल पाकशाला पहुंच गए। जज व परिजन की उपस्थिति में एसडीआरएफ की टीम सीढ़ी, कुर्सी, जैक, तार काटने के कटर से कन्टेनर से शव बाहर निकालने में लग गए। अथक प्रयास के बाद भी एसडीआरएफ की टीम कन्टेनर के लोहे का चादर नहीं तोड़ पाई। दोपहर 2.30 बजे मार्केट से गैसकटर काटने वालों को बुलाया गया। आधा घण्टे में गैसकटर से कन्टेनर के 4 बाई 3 लोहे का चादर काटकर शव सुरक्षित बाहर निकाला गया। कन्टेनर के अंदर मृतक कैदी की लाश बैठी अवस्था में थी। कन्टेनर अत्याधिक गर्म होने से उसका शरीर उबल गया था।

- पैरोल के आवेदन में पिता के हस्ताक्षर नहीं करने से परेशान था कैदी
- दो जज व परिजन की उपस्थिति में शव का किया गया पंचनामा

चार दिन पहले परिजन आए थे मिलने

घरवालों ने बताया, चार दिन पहले वे मृतक कैदी से मिलने के लिए केन्द्रीय जेल आए थे। उस दौरान उसने पैरोल के संबंध में पूछताछ की थी। घरवालों ने उसे बताया, पैरोल के आवेदन में हस्ताक्षर करने सभी तैयार हैं, किन्तु उसके पिता हस्ताक्षर करने के लिए तैयार नहीं हैं। पिता के हस्ताक्षर के बगैर उसे पैरोल में जेल से छुट्टी नहीं मिल रही थी। उसने यह बात जेल में कई बंदियों से की थी और परेशान रहा करता था।

जेल के अंदर पंचनामा

बंद कमरे में दोनों जजों ने परिजन व घटना के समय पाकशाला में उपस्थित कैदी व सुरक्षा प्रहरियों का बयान दर्ज किया है। उसके बाद परिजन की उपस्थिति में शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए सिम्स भेजा गया। चार डाक्टरों की टीम ने वीडियोग्राफी के साथ शव का पोस्टमार्टम करने के बाद परिजन को सौंप दिया। परिजन शव लेकर रवाना हो गए हैं।

पाकशाला में करता था काम

मृतक कैदी पाकशाला में भोजन बनाने में सहयोग करता था। वह गोदाम से अनाज पाकशाला ले जाता था। वह साफ सफाई करने के बाद गैसीफायर प्लांट में लकड़ी डालने का काम भी करता था। जब वह गैसीफायर प्लांट की दौड़ा तो वहां काम कर रहे कैदियों को कुछ भी समझ नहीं आया। वह सीधे कन्टेनर में जाकर कूद गया था।

हैदराबाद के कालेज में एडमिशन कराने के नाम पर छात्रा से 12 लाख की ठगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

हैदराबाद के कालेज में एडमिशन कराने का झांसा देकर छात्रा से 12 लाख रुपए की आनलाइन ठगी कर ली गई है। पुलिस अपराध कायम कर जांच में जुट गई है।

तारबाहर पुलिस के अनुसार, विनोबा नगर निवासी ऋषिका तिवारी पिता प्रमोद तिवारी कक्षा बारहवीं की पढ़ाई करने के बाद अच्छे कालेज में दाखिला लेने के लिए गूगल सोशल मीडिया एप में सर्च करके कालेज के बारे जानकारी प्राप्त कर रही थी। जिसमें एक मोबाइल नम्बर मिला। जिसमें बात करने पर उनके द्वारा आईआईआईटी हैदराबाद कालेज में एडमिशन कराने के लिए शार्ट एक्जाम दिलाने एवं 12 लाख रुपए डोनेशन की मांग की गई। उनके द्वारा 6 जून 2026 को 4 लाख, 7 जुलाई 2026 को 8 लाख रुपए आरटीजीएस के माध्यम से उनके द्वारा बताए गए बैंक खाता नम्बर में ट्रांसफर किया गया। पैसा देने के बाद भी उन्हें उक्त कालेज में एडमिशन नहीं कराया गया और न ही पैसा वापस किया जा रहा है। पुलिस ने उनकी रिपोर्ट पर अज्ञात मोबाइलधारक के खिलाफ बीएनएस की धारा 318, 4, 3, 5 के तहत जुर्म दर्ज कर लिया है।

दो व्यापारियों से सामान बेचने का झांसा देकर 1 लाख 79 हजार की ठगी, आरोपी गिरफ्तार

तमिलनाडु व नागपुर के दो व्यापारियों से खाद्य सामाग्री बेचने का झांसा देकर 1 लाख 79 हजार रुपए की ठगी करने वाले के खिलाफ पुलिस ने जुर्म दर्ज कर लिया है। कोतवाली टीआई देवेश सिंह राठौर ने बताया कि तेलीपारा निवासी अमन आडवानी ने बाहर में जाकर व्यापरियों को सस्ते में खाद्य सामग्री बेचने का काम करता है। पूर्व में उसने तमिलनाडु व नागपुर के दो व्यापारियों से सस्ते में दाल दिलाने का झांसा देकर 1 लाख 79 लाख रुपए लेकर दाल नहीं भेजा। आडवानी ने उक्त रकम व्यापारियों से आनलाइन बैंक खाते से लिया था। समय पर सामान नहीं मिलने पर व्यापारियों ने ऑनलाइन साइबर टोल फ्री नम्बर 1930 में मामले की शिकायत की गई थी। जिससे उसके बैंक खाते को म्यूल खाता में डाल दिया था। जांच के बाद पुलिस ने म्यूल खाता धारक अमन आडवानी के खिलाफ धोखाधड़ी का जुर्म दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया है।

धूप-छांव के बीच झमाझम बारिश

बिलासपुर। मौसम रोजाना अपनी हरकते बदल रहा है। गुरूवार को तड़के सुबह बारिश होती रही, लेकिन सुबह 8 बजे के बाद आसपास मौसम खुला रहा, हालांकि आसमान पर बदली रही। इस दौरान दोपहर को धूप भी निकली और दोपहर 2.30 बजे अचानक झमाझम बारिश होने लगी, इसके अगले पल ही फिर से तेज धूप निकली। इस दौरान धूप-छांव के बाद उमस भी बरकरार रही और अधिकतम तापमान 30 डिग्री दर्ज किया गया है। मौसम विभाग के अनुसार अवदाब का असर होने के कारण झमाझम बारिश हो रही है, आने वाले 2 से 3 दिनों में यही स्थिति बनी रहेगी।

शनि मंदिर में चोरी का खुलासा, दो आरोपी चढ़े पुलिस के हत्थे

सक्ती। गणेशबंध तालाब स्थित शनि मंदिर में हुई चोरी के मामले का खुलासा करते हुए पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी किया गया सामान बरामद कर जब्त कर लिया है। सक्ती पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार गणेशबंध तालाब स्थित शनि मंदिर के पुजारी ने शिकायत दर्ज कराई थी कि 27 जुलाई की सुबह मंदिर खोलने पर सीसीटीवी मॉनिटर, कांसे की थालियां, दानपात्र में रखे सिक्के, नगद राशि और पूजा सामग्री सहित करीब 8 हजार का सामान चोरी हो गया था। जांच में पता चला कि चोर मंदिर के हवनकुंड के ऊपर धुआं निकलने के लिए बनी खिड़की का टीन हटाकर अंदर घुसे और चोरी की वारदात को अंजाम दिया। अरमान खान उर्फ छोटू को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पुलिस ने बुधवारी बाजार निवासी अरमान खान व डभरा थाना अंतर्गत ग्राम कांसा निवासी दिलीप कुमार यादव को भी गिरफ्तार किया गया।

कच्ची महुआ शराब के साथ महिला आरोपी पकड़ी गई

सक्ती। पुलिस ने एक महिला के कब्जे से 16 लीटर कच्ची महुआ शराब को जब्त किया है। मामले में आबकारी अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई है। जिला आबकारी अधिकारी के मार्गदर्शन पर अवैध शराब के खिलाफ अभियान जारी है। इसी के तहत आबकारी वृत्त सक्ती की टीम ने मुखबिर की सूचना पर दबिश दी। ग्राम सकरेलीखुर्द थाना नगरदा निवासी पायल सुमन पति अजय सुमन उम्र 30 वर्ष के घर में दबिश दी। छापामार कार्रवाई के दौरान घर की परछी में 2-2 लीटर की 8 हरी बोतलों में भरी 16 लीटर कच्ची महुआ शराब को जब्त किया। धारा 34(2) आबकारी अधिनियम के तहत गैर-जमानती प्रकरण के तहत न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया।

आरोपी वकील की दोनों किडनी फेल, डाक्टर ने कहा- बिना डायलिसिस के नहीं रह सकता

35 हजार रुपए लेकर एक मामले की फाइल पास कराता था तहसीलदार का ड्राइवर

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

केंद्रीय जेल में बंद तहसीलदार का ड्राइवर सर्पदंश से मौत के फर्जी दस्तावेज से मुआवजा लेने के मामले में पटवारी का फर्जी पंचनामा, नक्शा, सील मुहर, हस्ताक्षर कर तहसीलदार कार्यालय से पास कराने के लिए हर एक मामले का 35 हजार रुपए लेता था। इधर तोरवा पुलिस ने दो मामले के आरोपी बीमार वकील को सिम्स में भर्ती कराकर बयान लेने के बाद परिजन के सुपुर्द कर दिया है।

तोरवा पुलिस ने इस मामले में महमंद निवासी तला सूर्यवंशी, निसार खान के मृत्यु के मामले में शबीना बानो महमंद, संतोष सूर्यवंशी महमंद, रंजीत गढ़ेवाल सैदा, डा. प्रियंका सोनी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। दोनों मामले का मास्टर माइंड वकील पेण्डारी निवासी श्रवण कुमार वस्त्रकार पिता भागवत प्रसाद वस्त्रकार 41 साल को दो दिन पहले उसके घर से हिरासत में लेकर सिम्स में भर्ती कराया गया था। दोनों मामले में वकील वस्त्रकार का बयान लेने के बाद उसे परिजन के सुपुर्द कर दिया है। बताया जाता है आरोपी वकील की दोनों कीडनी फेल है। डाक्टर ने कहा है वकील बिना डायलिसिस के नहीं रह सकता है। डाक्टर की सलाह के बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार नहीं किया है।

- पुलिस ने बयान लेने के बाद आरोपी वकील वस्त्रकार को परिजन के सुपुर्द किया

फरार डा. गोले का नहीं पकड़ पा रही पुलिस - सिरगिट्टी थाना के फर्जी सर्पदंश के मामले में फर्जी पोस्टमार्टम रिपोर्ट बनाने वाले सिम्स के डा. एसएन गोले के खिलाफ मामला दर्ज है। पूर्व में डाक्टर को तलब कर पूछताछ की थी उसके बाद उसे छोड़ दिया गया था। अब आलम यह है कि पुलिस फरार डाक्टर को पकड़ नहीं पा रही है। वहीं डा. गोले सिम्स में ड्यूटी से भी

डाक्टर को फिर से पुलिस रिमांड लेने की तैयारी

सिविल लाइन थाना में सर्पदंश से मौत के फर्जी दस्तावेज बनाने के दो मामले में फर्जी पोस्टमार्टम रिपोर्ट पूर्व सिम्स के डाक्टर प्रियंका सोनी के द्वारा बनाने का खुलासा हुआ है। आरोपी डा. सोनी तोरवा थाना के मामले में जेल में बंद है। सिविल लाइन पुलिस ने दोनों मामले में गिरफ्तारी करने कोर्ट में डा. प्रियंका को पुलिस रिमांड में लेने के लिए आवेदन जमा किया है। कोर्ट के आदेश के बाद पुलिस उसे रिमांड लेकर पूछताछ करने के बाद गिरफ्तारी करेगी।

सिम्स में 250 से अधिक सर्पदंश के मौत के मामले : मामले का खुलासा होने पर पुलिस ने सिम्स चौकी के पूर्व प्रभारी गुलाब सोनवानी को तलब कर पूछताछ कर बयान दर्ज किया गया। जिसमें खुलासा हुआ कि उसके द्वारा दो कार्यकाल में 250 से अधिक सर्पदंश से मौत का पोस्टमार्टम कराया गयाहै। मजेदारबात यह है कि जांच के बाद सिम्स चौकी से वकील को सूचना देने वाले दो नगर सैनिक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। किन्तु 250 से पोस्टमार्टम कराने वाले प्रभारी पर अब तक आंच नहीं आया है कि जिसको लेकर शहर में कई तरह की चर्चा हो रही है।

तहसीलदार का ड्राइवर बनाता था फर्जी दस्तावेज

पूछताछ में महत्वपूर्ण खुलासा हुआ है कि वकील वस्त्रकार सहयोगियों के साथ मिलकर दोनों मृतकों के मौत के बाद परिजन से मिलकर सर्पदंश से मृत्यु होने पर शासन की ओर से 4 लाख रुपए मुआवजा राशि मिलने की जानकारी दी। परिजन से मुआवजा राशि दिलाने पर 50 - 50 बंटवारा करने का सौदा तय किया। मतलब 2 लाख रुपए परिजन व 2 लाख रुपए वकील स्वयं लेता था। बैंक खाते में पैसा जमा होने के बाद वकील पैसा निकालकर अपना हिस्सा रख लेता था। वह सर्पदंश से मृत्यु के फर्जी दस्तावेज बनाकर तहसीदार के दैनिक वेतन भोगी ड्राइवर गोविंद विश्वकर्मा को फाइल बनाकर देता था। ड्राइवर स्वयं पटवारी पंचनामा, नक्शा सील मोहर, हस्ताक्षर कर तहसील आफिस से फाइल पास कराता था। एक फाइल पास कराने के लिए ड्रावइर वकील से 35 हजार रुपए लिया करता था। इस तरह से उसने कितने फाइन तहसील आफिस से पास कराया होगा इसका अंदाजा लगाया जा सकता है।

खबर संक्षेप

आवारा पशुओं से बचाव संबंधी जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

हरदीबाजार। शासकीय ग्राम्य भारती महाविद्यालय हरदीबाजार के प्राचार्य डॉ एम एम वैष्णव के निर्देशन में माननीय उच्च न्यायालय की सुआ मोटू रीट याचिका के अनुपालन में साफ सफाई एवं आवारा पशुओं से बचाव विषय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य साफ सफाई एवं अन्य आवारा पशुओं से होने वाले संभावित खतरों तथा उनसे बचाव के उपायों की जानकारी प्रदान करना था। कार्यक्रम में प्रभारी प्राचार्य डॉ. अनिल कुमार पांडे ने कहा कि साफ सफाई एवं आवारा पशुओं के प्रति लापरवाही गंभीर दुर्घटनाओं और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का कारण बन सकती है। डॉ. के. के. दुबे कार्यक्रम अधिकारी (पुरुष) एवं श्रीमती अंजली कार्य. अधि. (महिला) ने कहा कि जागरूकता और सावधानी ही ऐसे मामलों में सबसे बड़ा बचाव है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की कि वे अपने परिवार और आसपास के लोगों को भी इस संबंध में जागरूक करें। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापक ,कर्मचारी एवं राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के स्वयंसेवकों व छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

सरस्वती शिशु मंदिर में गुरु पूर्णिमा पर आयोजित हुए कार्यक्रम

दीपका। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर सरस्वती शिशु मंदिर के वर्ष 2005 बैच के भूतपूर्व छात्रों ने अपने गुरुजनों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करते हुए विद्यालय को तीन व्हाइट बोर्ड, एक वर्ष के लिए आवश्यक मार्कर तथा दो दरियाँ भेंट कीं। पूर्व छात्रों की इस पहल ने गुरु-शिष्य परंपरा को जीवंत करते हुए समाज के सामने एक प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य बजरंगलाल पटवा सहित सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे। इस दौरान पूर्व छात्रों ने अपने गुरुजनों का सम्मान किया, उनके साथ छात्र जीवन की यादें साझा कीं और शिक्षा, संस्कार व मार्गदर्शन के लिए उनका आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि आज जीवन में जो भी उपलब्धियां प्राप्त हुई हैं, उनकी नींव विद्यालय और गुरुजनों द्वारा दिए गए संस्कारों व शिक्षा पर टिकी है। विद्यालय परिवार ने पूर्व छात्रों की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि जब विद्यार्थी अपनी जड़ों से जुड़े रहकर अपने विद्यालय के विकास में योगदान देते हैं, तो यह वर्तमान विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणा का विषय बनता है। शिक्षकों ने सभी पूर्व छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें आशीर्वाद दिया। कार्यक्रम के दौरान सभी ने आत्मीय संवाद के साथ सामूहिक जलपान किया। पूर्व छात्रों ने भविष्य में भी विद्यालय की आवश्यकताओं के अनुरूप समय-समय पर सहयोग करने का संकल्प लिया।

पृष्ठ 1 का शेष

पोड़ी बीईओ...

28- 29 जुलाई को मौखिक आदेश कहकर तीन संलग्नीकरण कर दिया। ऐसे में संचालनालय का आदेश या डीईओ का मौखिक आदेश बड़ा कौन। दूसरी ओर अन्य आदेश पर्यन्त का मतलब? संचालनालय ने 1 हप्ते की मोहलत दी थी, बीईओ ने उसे अनिश्चितकालीन बना दिया। ऐसे में जवाबदेही किसकी तय होगी और अगर संचालनालय ब्रेक इन सर्विस की कार्रवाई करता है तो जिम्मेदार कौन होगा, कर्मचारी या बीईओ अथवा डीईओ।

निधन

चंद्रिकाबेन मकवाना

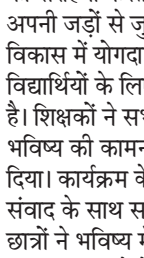

कोरबा। कोरबा (तुलसी मार्ग/गांजा गली) निवासी एवं गुजराती समाज के वरिष्ठ सदस्य विनोद (राजू भाई) मकवाना की धर्मपत्नी श्रीमती चंद्रिकाबेन मकवाना (58 वर्ष) का गुरुवार को निधन हो गया। वे अपने पीछे स्वाति नीरवि हिंगू (पुत्री), आकाश मकवाना (पुत्र), उमेश मकवाना (भतीजा) सहित भरा-पूरा परिवार रोता-बिलखता छोड़ गई हैं। उनका अंतिम संस्कार मोतीसागर पारा मुक्तिधाम किया गया। अंतिम यात्रा में परिजन, समाज के लोग व गणमान्य नागरिक शामिल रहे।

राजेश्वर प्रसाद रात्रे

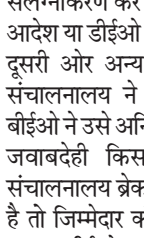

हरदीबाजार। हरदीबाजार शिक्षक नगर रेंकी रोड़ निवासी राजेश्वर प्रसाद रात्रे उम्र 32 वर्ष का अकास्मिक निधन गुरुवार को हो गया। वे ग्राम पंचायत चोंढ़ा के सचिव थे,वे कुछ दिनों से अस्वस्थ थे ईलाज के लिए कोरबा से बिलासपुर ले जाते समय रास्ते में ही निधन हो गया। वे अपने पीछे मां,पत्नी,भाई और दो मासूम बच्चे रोता बिलखता छोड़ गए। अंतिम संस्कार हरदीबाजार मुक्तिधाम में किया गया।

माय भारत युवा कार्यक्रम के तहत आयोजित हुई प्रतियोगिता

जिला स्तरीय सांस्कृतिक प्रतियोगिता में युवाओं ने लिया नशामुक्त भारत बनाने का संकल्प

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

कार्यक्रम में शामिल अतिथि वक्ता।

माय भारत युवा कार्यक्रम के अंतर्गत नशा मुक्त भारत अभियान-2026 के तहत सोमवार को अग्रसेन कन्या महाविद्यालय, कोरबा में जिला स्तरीय सांस्कृतिक प्रतियोगिता का भव्य एवं प्रेरणादायी आयोजन किया गया। युवा की उड़ान, नशा मुक्त भारत का निर्माणश्र थीम पर आयोजित इस प्रतियोगिता का उद्देश्य युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना, उन्हें सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना तथा समाज में नशामुक्ति का व्यापक संदेश प्रसारित करना था। कार्यक्रम का आयोजन प्रातः 10:00 बजे से प्रारंभ हुआ, जिसमें जिलेभर के शिक्षण संस्थानों से बड़ी संख्या में विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं गणमान्य नागरिकों ने भाग लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और पुष्प अर्पित कर किया गया। उद्घाटन सत्र में उपस्थित अतिथियों ने युवाओं को नशे जैसी सामाजिक बुराई से दूर रहकर राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का संदेश दिया। कार्यक्रम में जिला नोडल अधिकारी डॉ. सतीश प्रकाश सिंह, जिला युवा अधिकारी सुश्री ईशा गौतम, अग्रसेन शिक्षण समिति के अध्यक्ष श्री गोपाल अग्रवाल, श्री अग्रसेन कन्या महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. मनोज कुमार झा, जिले के विभिन्न महाविद्यालयों के प्राचार्य, प्राध्यापक, शिक्षक, छात्र-छात्राएँ एवं बड़ी संख्या में युवा उपस्थित रहे। अतिथियों ने कहा कि नशा मुक्त भारत अभियान केवल एक सरकारी योजना नहीं, बल्कि एक जन-आंदोलन है, जिसकी सफलता में युवाओं की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि यदि युवा स्वयं नशे से दूर रहकर समाज को जागरूक करने का संकल्प लें तो आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वस्थ, सुरक्षित और सशक्त भारत का निर्माण संभव है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपने परिवार, मित्रों और समाज के लोगों को भी नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में नगर पालिका निगम कोरबा के आयुक्त आशुतोष पांडे, सीएसपी प्रतीक चतुर्वेदी, माय भारत युवा कार्यक्रम के जिला नोडल अधिकारी डॉ. सतीश प्रकाश सिंह तथा जिला युवा अधिकारी ईशा गौतम, अग्रवाल सभा कोरबा के अध्यक्ष बजरंग अग्रवाल, अग्रसेन कन्या महाविद्यालय की शिक्षण समिति के अध्यक्ष गोपाल अग्रवाल, शिक्षण समिति के सचिव दीपक अग्रवाल, शिक्षण समिति के पूर्व अध्यक्ष छेदीलाल अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

संत रविदास की जयंती पर समरसता संकल्प अभियान की कलश यात्रा का किया स्वागत

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटघोरा

संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास महाराज की 650वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित समरसता संकल्प अभियान की कलश यात्रा के कटघोरा पहुंचने पर सिख समाज और भाजपा के विभिन्न मोर्चों द्वारा आत्मीय व भव्य स्वागत किया गया। रायपुर की ओर प्रस्थान कर रही इस यात्रा का नगर में उत्साहपूर्वक अभिनंदन हुआ।

सिख समाज और भाजपा द्वारा अभिनंदनः यात्रा के आगमन पर सिख समाज के साथ-साथ भाजपा जिला अ.जा. मोर्चा, भाजपा मंडल, महिला मोर्चा, पिछड़ा वर्ग मोर्चा एवं समस्त प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों ने आत्मीय स्वागत किया। क्षेत्रीय विधायक प्रेमचंद पटेल ने श्रद्धा भाव के साथ कलश को अपने सिर पर रखकर यात्रा की अगवानी की। शहीद वीर नारायण सिंह चौक पर महिला मोर्चा की पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने कलश यात्रा पर पुष्पवर्षा की तथा पारंपरिक आरती उतारकर स्वागत किया। कार्यक्रम में अ.जा. मोर्चा जिलाध्यक्ष राजेश कुमार लहरे, नरेन टंडन, मंडल अध्यक्ष अभिषेक गर्ग, प्रदीप राठौर, टीकम राजपाल, मनोज नायडू, प्रीतम देवांगन, संजीत सिंह, अमित जायसवाल, धनु दुबे, नानकराम पंजवानी, राकेश पांडे, किशोर शुक्ला, अजय धनोदिया, उमाकांत डिक्सेना, रूपेश डिक्सेना, रुक्मणी नहरे, उमा भारती, प्रताप मरावी, चतुर्भन नायक, मनोज जायसवाल, अनुराग दुहलानी, विवेक मार्कंडेय सहित सभी मोर्चों व प्रकोष्ठों के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

अजय मल्टीपल अवॉर्ड से सम्मानित

अवार्ड प्राप्त करते अजय धनौंदिया।

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटघोरा

लायंस इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3233-सी सत्र 25-26 के डिस्ट्रिक्ट गवर्नर पीएमजेएफ विजय अग्रवाल के द्वारा अपने कार्यकाल में ला. अजय धनोंदिया को डिस्ट्रिक्ट के महत्वपूर्ण पद डिस्ट्रिक्ट पीआरओ की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। इस दायित्व का निर्वहन करते हुए अजय धनोंदिया ने पूरे डिस्ट्रिक्ट के अंतर्गत आने वाले सभी लॉयन्स क्लबों द्वारा संचालित शासकीय, प्रशासनिक एवं सेवा गतिविधियों का प्रभावी प्रचार-प्रसार किया। उन्होंने विभिन्न क्लबों की सामाजिक सेवा से जुड़ी उपलब्धियों एवं महत्वपूर्ण कार्यक्रमों को समाचार पत्रों एवं अन्य प्रचार माध्यमों के जरिए व्यापक पहचान दिलाई, जिससे डिस्ट्रिक्ट की गतिविधियों को नई पहचान मिली। इसी उत्कृष्ट कार्य, सक्रियता एवं समर्पण को देखते हुए 24 मई को इंदौर (मध्यप्रदेश) में आयोजित लॉयन्स मल्टीपल कन्वेंशन के दौरान मल्टीपल काउंसिल चेयरपर्सन पीएमजेएफ ला मनीष शाह के द्वारा डिस्ट्रिक्ट पीआरओ ला. अजय धनोंदिया को मल्टीपल अवॉर्ड से सम्मानित किया गया था। इसके बाद 29 जुलाई को होटल मायरा जमनीपाली में मुख्य अतिथि निवृत्तमान डिस्ट्रिक्ट गवर्नर पीएमजेएफ ला. विजय अग्रवाल तथा पूर्व मल्टीपल काउंसिल चेयरपर्सन एमजेएफ ला. राजेन्द्र तिवारी, पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर एमजेएफ एमड़ी माखीजा,एम जे एफ बसन्त मिश्रा ने अजय धनोंदिया को मल्टीपल अवॉर्ड भेंट कर सराहना की।

इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विजय अग्रवाल ने कहा कि अजय धनोंदिया ने डिस्ट्रिक्ट पीआरओ के रूप में अपनी जिम्मेदारियों का अत्यंत निष्ठा, सक्रियता और कुशलता के साथ निर्वहन किया। उनके प्रयासों से डिस्ट्रिक्ट की सेवा गतिविधियों को व्यापक प्रचार मिला तथा समाज में लॉयन्स इंटरनेशनल की सकारात्मक छवि और अधिक सुदृढ़ हुई। उन्होंने न केवल डिस्ट्रिक्ट स्तर पर उत्कृष्ट कार्य किया, बल्कि अपने होम क्लब लॉयन्स क्लब कटघोरा-छुरी में संरक्षक के रूप में भी निरंतर सक्रिय रहकर सेवा कार्यों को नई गति प्रदान की। सम्मान प्राप्त करने पर अजय धनोंदिया ने लॉयन्स इंटरनेशनल के वरिष्ठ पदाधिकारियों, अपने क्लब के सदस्यों एवं सभी सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान केवल उनका नहीं, बल्कि पूरे डिस्ट्रिक्ट एवं सभी लॉयन्स साथियों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने भविष्य में भी समाजसेवा एवं संगठन के प्रचार-प्रसार के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करते रहने का संकल्प व्यक्त किया। यह सम्मान समारोह उपस्थित सभी लॉयन सदस्यों के लिए गर्व एवं प्रेरणा का विषय रहा।

लायंस क्लब कटघोरा-छुरी ने स्कूली बच्चों को वितरित किए छाते

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटघोरा

बच्चों के बीच क्लब के पदाधिकारी व सदस्य।

लायंस क्लब कटघोरा-छुरी द्वारा सेवा एवं सामाजिक सरोकार की अपनी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए गुरुवार को बालक प्राथमिक शाला, छुरी में अध्ययनरत विद्यार्थियों को वर्षा ऋतु को ध्यान में रखते हुए निःशुल्क छाते का वितरण किया गया। इस अवसर पर बच्चों को मिठाई खिलाकर उनके चेहरों पर मुस्कान बिखेरी गई।

खास बात

- क्लब की जनसरोकार गतिविधि, मिठाई खिलाकर बांटी खुशियां

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जोन चेयरपर्सन मनोज गुप्ता एवं विशिष्ट अतिथि क्लब मेम्बरशिप चेयरपर्सन राजकुमार अग्रवाल की उपस्थिति रही। विद्यालय परिवार एवं विद्यार्थियों ने अतिथियों का स्वागत किया। मुख्य अतिथि मनोज गुप्ता ने कहा कि लायंस क्लब कटघोरा छुरी सदैव से ही समाज के कमजोर एवं जरूरतमंद वर्ग के हित में सेवा कार्य करता रहा है। उन्होंने कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं और उनकी शिक्षा, सुरक्षा तथा सुविधाओं का ध्यान रखना हम सभी का नैतिक दायित्व है। वर्षा ऋतु में विद्यालय आने-जाने में बच्चों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसी उद्देश्य से छातों का वितरण किया गया है। उन्होंने विद्यार्थियों से मन लगाकर पढ़ाई करने, अनुशासन का पालन करने तथा जीवन में आगे बढ़कर अपने माता-पिता और विद्यालय का नाम रोशन करने का आह्वान किया। विशिष्ट अतिथि राजकुमार अग्रवाल ने कहा कि लायंस क्लब कटघोरा छुरी का प्रत्येक सेवा कार्य समाज के प्रति समर्पण की भावना का परिचायक है। उन्होंने कहा कि बच्चों के चेहरे पर मुस्कान लाना ही क्लब के लिए सबसे बड़ी उपलब्धि है। भविष्य में भी शिक्षा, स्वास्थ्य एवं सामाजिक सेवा से जुड़े ऐसे जनहितकारी कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जाते रहेंगे।

विद्यालय की प्रभारी प्राचार्य शकुंतला देवांगन ने लायंस क्लब कटघोरा-छुरी के इस सराहनीय प्रयास की मुक्त कंठ से प्रशंसा करते हुए कहा कि यह सहयोग विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी है। उन्होंने क्लब के सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे सेवा कार्य समाज में सकारात्मक संदेश देने के साथ-साथ बच्चों का उत्साह भी बढ़ाते हैं। आयोजन में छाते का सहयोग नगर के व्यवसाई उमेश जायसवाल पूजा फ्लेक्स के द्वारा प्राप्त हुआ। इस अवसर पर विद्यालय की प्रभारी प्राचार्य व सहायक शिक्षिका शकुंतला देवांगन,मानदेय शिक्षिका आयुषी देवांगन, क्लब मेम्बरशिप चेयरपर्सन राजकुमार अग्रवाल, रीजन पी आर ओ अजय धनोंदिया, सचिव नरेन्द्र अग्रवाल, टेमर हुकुमचंद अग्रवाल, विजय बाजपेयी, डॉ.सीताराम सीरसो, डॉ.प्यारे लाल आदिले प्राचार्य जेबीडी कालेज कटघोरा, रमेश श्रीवास सहित क्लब के पदाधिकारी एवं सदस्य तथा स्थानीय नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

शहर के मुख्य मार्ग पर भारी वाहनों का हो रहा संचालन

कोरबा। शहर में भारी वाहनों के संचालन को लेकर प्रशासन लगातार यह दावा कर रहा है कि कोयला, राखड़ और अन्य भारी वाहन केवल रिंग रोड से ही संचालित होंगे, ताकि शहर के भीतर यातायात सुचारु रहे और लोगों को जाम व दुर्घटनाओं से राहत मिल सके। लेकिन जमीनी हकीकत प्रशासनिक दावों से बिल्कुल अलग नजर आ रही है।

न्यायालय तहसीलदार कोरबा, जिला-कोरबा (छ.ग.)

//ईश्तहार//

रा.प्र.क. 202607050600124
श्रेणी-अ-6 वर्ष 2025-26
ग्राम- कोरबा, प.ह.न.-16

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका संतोषी देवी राठौर पति स्व. हरिशंकर राठौर, निवासी माँ संतोषी निवास पोड़ीबहार चौक, तहसील व जिला कोरबा (छ.ग) द्वारा आवेदिका के पति हरिशंकर राठौर के स्वामित्व व आधिपत्य की भूमि ग्राम कोरबा प०ह०नं० 16 रा.नि.मं. कोरबा, तहसील व जिला-कोरबा में स्थित भूमि ख.नं. 273/174/2 रकबा 0.0200 हे० भूमि राजस्व अभिलेखों में दर्ज है। आवेदिका के पति/खातेदार हरिशंकर राठौर की मृत्यु दिनांक 16/04/2025 को हो जाने के फलस्वरूप उक्त भूमि को विधिक वारिसानों के नाम से फौती नामांतरण किये जाने बाबत छ.ग.भू.रा. संहिता 109, 110 के तहत इस न्यायालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है।

उक्त संबंध में किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो वह अपना दावा/आपत्ति इस न्यायालय में नियत तिथि दिनांक 17/08/2026 तक स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से प्रस्तुत कर सकते है। समयावधि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 24/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के सील मुद्रा से जारी।

तहसीलदार
कोरबा, जिला कोरबा (छ.ग.)

गुरु पूर्णिमा पर मां सर्वमंगला घाट पर हसदेव आरती का हुआ आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

हसदेव महाआरती करते पुरोहित।

गुरु पूर्णिमा के अवसर पर बुधवार को माँ सर्वमंगला मंदिर घाट में नमामि हसदेव सेवा समिति द्वारा विशेष हसदेव आरती का भव्य आयोजन किया गया। शाम 5 बजे आयोजित इस कार्यक्रम में हसदेव नदी, उसकी सहायक नदियों और अन्य प्राकृतिक जल स्रोतों के संरक्षण का संदेश दिया गया। आयोजन के दौरान नदी को स्वच्छ एवं प्रदूषण मुक्त बनाए रखने तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनसहभागिता बढ़ाने का संकल्प लिया गया।

नमामि हसदेव सेवा समिति द्वारा कोरबा जिले की जीवनदायिनी हसदेव नदी और उसके प्राकृतिक जल स्रोतों के संरक्षण, प्रदूषण में कमी लाने तथा नदी तटों के सौंदर्यीकरण के उद्देश्य से लगातार जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के अंतर्गत प्रत्येक माह की पूर्णिमा को माँ सर्वमंगला मंदिर घाट, कोरबा में हसदेव आरती का आयोजन किया जाता है। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर आयोजित विशेष आरती के माध्यम से भी समिति ने नदी संरक्षण के अभियान को आगे बढ़ाने का संदेश दिया। कार्यक्रम में हसदेव नदी के धार्मिक, सामाजिक और पर्यावरणीय महत्व को रेखांकित करते हुए लोगों से जल स्रोतों को स्वच्छ रखने और उनके संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया गया। समिति का कहना है कि हसदेव नदी को स्वच्छ और प्रदूषण मुक्त बनाए रखने के साथ-साथ उसकी सहायक नदियों तथा अन्य प्राकृतिक जल स्रोतों का संरक्षण वर्तमान समय की महत्वपूर्ण आवश्यकता है। इसके लिए समाज के प्रत्येक वर्ग की सहभागिता जरूरी है।

TOP IN KORBA
GURUKRIPA COLLEGE ADMISSION GUIDENS 2026-27 SC/ST/OBC FEE Discount 20%

SN.	Cours	Duration	Qualification
1.	BMLT (बेचलर ऑफ मेडिकल लैब टेक्नीसियन)	3 Year	12th Bio
2	DMLT (डिप्लोमा इन मेडिकल लैब टेक्नीसियन)	2 Year	12th Bio
3.	B.Sc Nursing (बेचलर ऑफ साइंस)	4 Year	12th Bio
4.	OT (ऑपरेशन थियेटर असिस्टेंट)	2 Year	12th Bio
5.	B. PHARMA, D. PHARMA (डिप्लोमा इन फार्मेसी)	4 & 2 Year	12th Bio & Maths

Kamla Complex, Nehru Chowk, Bilaspur 07752-796378, 9329528463, 9329536742

कोरबा मार्केट

गुप्त रोग
विशेषज्ञ से स्त्री-पुरूष मिले 100% गारंटी
आयुर्वेद ईलाज
नामर्दी, शीघ्रपतन स्वप्नदोष, धातु, पतला, पेशाब के साथ धातु गिरना, जलन, छेटापन, टेढ़ापन,सिपलिस, गनौरिया, चर्मरोग इत्यादि सभी प्रकार के गुप्तरोग का ईलाज किया जाता है।
20 वर्षों से स्थाई
बिना ऑपरेशन गारंटी ईलाज अण्डकोष बवासीर, भगंदर
देशी, विदेशी लिंगवर्धक यंत्र उपलब्ध है।
मां सर्वमंगला क्लीनिक
डॉ. आर.के. बंगाली, नया बस स्टैंड रोड पर बंगाली चाल ट्रांसपोर्ट नगर कोरबा मो. 9074665998

स्वास्थ्य सेवा में बनाएं अपना सुनहरा भविष्य
सिद्धि विनायक हॉस्पिटल एण्ड पैरामेडिकल कॉलेज
मान्यता प्राप्त एवं परिषद से संबद्ध, MP PARAMEDICAL COUNCIL से संबद्ध
पात्रता (ELIGIBILITY)
शैक्षणिक योग्यता 12 वीं पास (जीव विज्ञान विषय के साथ)
कोर्सेज (पाठ्यक्रम)
D.M.L.T. (2 वर्ष)
डिप्लोमा इन मेडिकल लेब टेक्नोलॉजियन
O.T. TECHNICIAN (1 वर्ष)
ऑपरेशन थियेटर टेक्नशियन
X-RAY TECHNICIAN (2 वर्ष)
एक्स-रे टेक्नशियन
07759-222211, 9993000683, 9109488443, 9425558441
सिद्धि विनायक हॉस्पिटल, प्लॉट नं. 52, कोसाबाड़ी, ब्लू बर्ड स्कूल के पीछे, कोरबा, छत्तीसगढ़

DR. ABHIMANYU'S AYURVEDA MULTISPECIALITY HOSPITAL
PAIN | PANCHKARMA | PILES | PEDIA | GYNAE | SKIN
छत्तीसगढ़ का प्रथम 20 बिस्तरीय हॉस्पिटल जो की पूर्ण रूप से आयुर्वेदिक उपचार को समर्पित
समस्त रोगों का आयुर्वेदिक पद्धति द्वारा इलाज
हड्डी एवं जोडों का दर्द • नसों का रोग • मानसिक रोग • त्वचा एवं बालों का रोग • स्त्री रोग • मूत्र संबंधी रोग • मधुमेह (डायबिटीज़) • नेत्र रोग • किडनी संबंधी रोग • पेट संबंधी विकार • थायराइड मांसपेशी का रोग • अस्थमा • मोटापा • मल द्वार रोग विशेषज्ञ
प्रदेश के समस्त शासकीय अधिकारी/कर्मचारी एवं उनके परिवार के आश्रित सदस्यों के उपचार उपरांत प्रतिपूर्ति (MEDICAL REIMBURSEMENTS) हेतु छ.ग. शासन से मान्यता प्राप्त
सेक्टर -7 B कमल विहार, रायपुर (छ.ग.) 95224-66664, 62622-22003
सिटी सेन्टर- कृष्णा टॉकीज के सामने, समता कॉलोनी रायपुर (छ.ग.) 9826446666
भिलाई सेन्टर-नेहरू नगर (पूर्व),एसबीआई बैंक के पास, भिलाई(छ.ग.) 95224 66605

BHASKAR EYE CARE
भास्कर आई केयर
कालामोतिया नजर चुराता है और दर्द भी नही होता!
प्रदेश के प्रसिद्ध ग्लूकोमा विशेषज्ञ द्वारा सम्पूर्ण कालामोतिया जांच एवं उपचार
लेजर एवं बिना टांकों की ग्लूकोमा MIGS सर्जरी • आंखों की सूखती नस का इलाज
EYE PRESSURE (IOP) • GONIOSCOPY • OCT & FIELD TEST
डॉ. दिलीप लालवानी
नेत्र रोग विशेषज्ञ
फेको सर्जन एवं ग्लूकोमा विशेषज्ञ
MOORFIELDS EYE HOSPITAL, LONDON
ARAVIND EYE HOSPITAL, COIMBATORE
निरंकारी सत्संग भवन के पास, हिंद स्पोर्ट्स फुटबॉल ग्राउंड के पास, ईदगाह भाठा, रायपुर (छ.ग.) 07714024989 | 9329124989

एडवांस्ड यूरोलॉजी सेवाएं अब गावरी नर्सिंग होम में
फाफाडीह, टिम्बर मार्केट रोड, रायपुर
9827144197, 9827144777
मूत्र रोग एवं सर्जरी
किडनी की पथरी का संपूर्ण इलाज
प्रोस्टेट का संपूर्ण इलाज
यौन संबंधी समस्याएं
महिलाओं में पेशाब लीक की समस्याएं
DR. ABHISHEK GAWRI
MBBS, MS (Surgery), DrNB (Urology)
Consultant Urologist Andrologist & Reconstructive Surgery
आयुष्मान कार्ड की सुविधा उपलब्ध

खबर संक्षेप

मत्स्य कार्यालय में हुआ वृक्षारोपण

कोरबा। मत्स्य कार्यालय परिसर में पर्यावरण संरक्षण और हरियाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत आयोजित किया गया, जिसमें सहायक आयुक्त क्रांति कुमार बघेल सहित कार्यालय के समस्त कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान कार्यालय परिसर में आम, आंवला, अमरूद सहित विभिन्न प्रजातियों के फलदार और उपयोगी पौधों का रोपण किया गया।

बंद कोयला खदान 25 हजार पौधरोपण से बनेगा हरित क्षेत्र

कोरबा। पर्यावरण संरक्षण और हरित विकास को बढ़ावा देने की दिशा में छत्तीसगढ़ राज्य वन विकास निगम द्वारा एक महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। निगम के नेतृत्व में बंद हो चुकी कोयला खदान को हरित क्षेत्र के रूप में विकसित करने के उद्देश्य से व्यापक पौधरोपण अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत मिट्टी से समतल की गई परित्यक्त खदान में 25 हजार पौधों का रोपण किया जा रहा है।

आंगनबाड़ी केंद्र में हुआ वृक्षारोपण

कोरबा। पर्यावरण संरक्षण एवं हरियाली बढ़ाने के उद्देश्य से वार्ड क्रमांक 37 रामपुर बस्ती स्थित आंगनबाड़ी केंद्र में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनकी देखभाल करने का संकल्प लिया। रमेश वर्मा ने कहा कि वृक्ष मानव जीवन के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। पर्यावरण संतुलन बनाए रखने और आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ वातावरण देने के लिए वृक्षारोपण को जन आंदोलन बनाना होगा।

एचटीपीएस परिसर में रोपे गए फलदार व देशी पौधे

कोरबा। हसदेव ताप विद्युत संयंत्र कोरबा पश्चिम में इस मानसून के लिए पौधरोपण की शुरूआत हो गई है। कार्यक्रम के अध्यक्ष मुख्य अभियंता एचके सिंह एवं मुख्य अतिथि पर्यावरण संरक्षण मंडल के क्षेत्रीय अधिकारी प्रसन्ना सोनकर द्वारा अपने हाथों से पौधा लगाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। गुरूवार को फलदार व स्थानीय प्रजाति के सैकड़ों पौधे मिनी हाइडल प्लांट के परिसर में रोपे गए। इस मानसून सीजन में हसदेव ताप विद्युत संयंत्र ने 22500 नग पौधे रोपने का संकल्प लिया है।

टीपी नगर मुख्य मार्ग पर किया गया वृक्षारोपण

कोरबा। एक पेड़ मां के नाम अभियान अंतर्गत टीपी नगर मुख्य मार्ग पर वृक्षारोपण किया गया। इस मौके पर निगम के अधिकारी कर्मचारियों ने अपनी सहभागिता देते हुये पौधों का रोपण किया तथा पर्यावरण संरक्षण व हरित कोरबा के संकल्प को गति दी। कलेक्टर कुणाल दुदावत के मार्गदर्शन एवं आयुक्त आशुतोष पाण्डेय के दिशा निर्देशन में जिला प्रशासन व निगम द्वारा वन विभाग के सहयोग से पर्यावरण संरक्षण एवं हरित कोरबा के संकल्प के साथ विगत 18 जुलाई से एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत सघन वृक्षारोपण का कार्य संचालित किया जा रहा है। निगम के उद्यान अधीक्षक आनंद राठौर ने बताया कि इस अभियान के अंतर्गत टी.पी.नगर मुख्य मार्ग में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

सावन के पहले दिन शिवालयों में उमड़ा भक्तों का सैलाब

कोरबा। सावन के पहले दिन से देश भर के शिवालयो में श्रद्धालुओं ने दुध और गंगाजल से भगवान शिव का जलाभिषेक और रूद्राभिषेक किया। सावन पहले ही दिन जमनीपाली, कुसमुण्डा,दीपका के शिव भक्तों ने प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी बिहार के सुल्तानगंज से पवित्र गंगाजल लाकर झारखण्ड देवघर स्थित बाबा बैजनाथ मनोकामना ज्योतिर्लिंग पर जलाभिषेक किया।

विहिप सावन माह में कनकी धाम जाने वाले श्रद्धालुओं की करेगी सेवा

कोरबा। विश्व हिन्दू परिषद बजरंग दल द्वारा भगवान शिव के पावन सावन माह में कनकी धाम जाने वाले समस्त शिवभक्तों एवं श्रद्धालुओं की सुविधा और सेवा के उद्देश्य से विशेष सेवा अभियान प्रारंभ किया जा रहा है। संगठन द्वारा संपूर्ण सावन माह के दौरान दो प्रमुख स्थानों पर निःशुल्क चाय एवं शीतल पेयजल की व्यवस्था की जाएगी, जिससे यात्रा के दौरान भक्तों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

अपर मुख्य सचिव ने किया हाथी नियंत्रण केंद्र चोटिया का निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

अपर मुख्य सचिव, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, छत्तीसगढ़ शासन, भारतीय प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारी मनोज कुमार पिंगुवा ने आज हाथी नियंत्रण केंद्र, चोटिया का निरीक्षण कर हाथियों की निगरानी एवं मानव-हाथी द्वंद्व की रोकथाम के लिए संचालित व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान श्री पिंगुवा ने हाथी मित्र दल के सदस्यों के साथ क्षेत्र में गश्त करते हुए हाथियों की वर्तमान गतिविधियों, उनके विचरण मार्गों तथा निगरानी व्यवस्था की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने अधिकारियों एवं हाथी मित्र दल के सदस्यों से चर्चा करते हुए कहा कि मानव-हाथी द्वंद्व की घटनाओं की रोकथाम के लिए हाथियों की सतत निगरानी, समय पर सूचना का प्रसारण तथा ग्रामीणों को तत्काल सतर्क करना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आपसी समन्वय के साथ प्रभावी ढंग से कार्य करने तथा संवेदनशील क्षेत्रों में निरंतर निगरानी बनाए रखने के निर्देश दिए। अपर मुख्य सचिव ने हाथी मित्र दल के सदस्यों द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि वन विभाग और स्थानीय समुदाय के बीच समन्वय स्थापित करने में हाथी मित्र दल की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने सदस्यों को पूरी सतर्कता, समर्पण एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर रात्रिकालीन गश्त एवं निगरानी कार्य को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से हाथी मित्र दल के सदस्यों को टॉर्च एवं पानी की बोतलों का वितरण भी किया गया। निरीक्षण के दौरान कटघोरा वनमंडल अधिकारी (डीएफओ) कुमार निशांत सहित वन विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

हाथी मित्र दल के साथ क्षेत्र में की गश्त

खास बातें

- रात्रि गश्त एवं निगरानी और प्रभावी बनाने हाथी मित्र दल के सदस्यों को दिया गया टार्च एवं पानी की बोतल

गजसंकेत ऐप और रियल टाइम अलर्ट से बढ़ी ग्रामीणों की सुरक्षा

जिले का मानव-हाथी प्रबंधन मॉडल प्रदेश में बना मिसाल

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

प्रदेश का कोरबा जिला मानव-हाथी द्वंद प्रबंधन के क्षेत्र में देश के लिए एक प्रेरणादायी मॉडल के रूप में उभर रहा है। जहां एक ओर हाथियों के प्राकृतिक आवास और विचरण मार्गों के संरक्षण पर गंभीरता से कार्य किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर आमजन की सुरक्षा, त्वरित राहत और आधुनिक तकनीक के माध्यम से मानव-हाथी संघर्ष को कम करने की दिशा में लगातार नवाचार किए जा रहे हैं।

कलेक्टर कुणाल दुदावत के मार्गदर्शन और कटघोरा वनमंडल के डीएफओ कुमार निशांत के नेतृत्व में जिला प्रशासन और वन विभाग ने समन्वित प्रयासों का ऐसा मॉडल विकसित किया है, जिसकी सराहना प्रदेश ही नहीं, बल्कि अन्य हाथी प्रभावित क्षेत्रों के लिए भी एक अनुकरणीय पहल के रूप में की जा सकती है। जिले का लेमरू हाथी रिजर्व लगभग 1 लाख 99 हजार 548 हेक्टेयर क्षेत्र में फैला हुआ है, जिसमें कटघोरा, कोरबा, धरमजयगढ़ और सरगुजा वनमंडलों के 11 वन परिक्षेत्र शामिल हैं। कोरबा मॉडल की सबसे बड़ी विशेषता आधुनिक तकनीक का प्रभावी उपयोग है। डीएफओ कुमार निशांत के नेतृत्व में कटघोरा वनमंडल में 24 घंटे हाथी नियंत्रण केंद्र, टोल-फ्री हेल्पलाइन, थर्मल ड्रोन, गजसंकेत मोबाइल ऐप, सीसीटीवी निगरानी तथा प्रशिक्षित हाथी मित्र दलों के माध्यम से हाथियों की गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा रही है। हाथियों की वास्तविक समय की जानकारी ग्रामीणों तक पहुंचाई जाती है, जिससे लोग समय रहते सुरक्षित स्थानों पर पहुंच सकें और संभावित दुर्घटनाओं से बचा जा सके।

फाइल फोटो

जनहानि के मामलों में आयी कमी

इन प्रयासों के सकारात्मक परिणाम अब आंकड़ों में भी स्पष्ट दिखाई देने लगे हैं। सितंबर 2023 से जून 2026 तक गज संकेत ऐप पर 1097 हाथी मूवमेंट एंट्री दर्ज की गई हैं, जबकि इसी अवधि में 2 लाख 68 हजार 782 से अधिक अलर्ट हाथी प्रभावित गांवों के लोगों तक भेजे गए। यह दर्शाता है कि जिले में सूचना तंत्र पहले की तुलना में कहीं अधिक सशक्त और प्रभावी हुआ है। मानव-हाथी संघर्ष से जुड़े आंकड़े भी सकारात्मक बदलाव की कहानी बयां करते हैं। प्रस्तुतीकरण के अनुसार वर्ष 2020-21 में जहां 9 जनहानि के मामले सामने आए थे, वहीं 2025-26 में यह संख्या घटकर केवल 3 रह गई है। इसी प्रकार वर्ष 2024-25 और 2025-26 में मानव घायल होने के मामले शून्य दर्ज किए गए हैं। यह उपलब्धि समय पर अलर्ट, सतत निगरानी, हाथी मित्र दलों की सक्रियता तथा प्रशासन और वन विभाग के बेहतर समन्वय का परिणाम है।

मुख्य गवाह को जान से मारने की धमकी बयान बदलने के दबाव का मामला दर्ज

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटघोरा

अक्षय गर्ग हत्याकांड में मुख्य गवाह को जान से मारने की धमकी और बयान बदलने का दबाव डालने का मामला सामने आया है। पुलिस ने शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच तेज कर दी है।

खास बात

- बहुचर्चित ठेकेदार अक्षय गर्ग हत्याकांड मामला

जनपद सदस्य अक्षय गर्ग चर्चित हत्याकांड के मामले में एक नया मोड़ सामने आया है। प्रकरण के मुख्य गवाहों को अज्ञात व्यक्तियों द्वारा घर पहुंचकर जान से मारने की धमकी देने और न्यायालय में बयान बदलने का दबाव बनाने का मामला सामने आया है। घटना के बाद गवाहों में दहशत का माहौल है, जिसे लेकर थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई गई है। पसान थाना क्षेत्र के लोकाड़ा निवासी मुख्य गवाह कमलेश टीकम ने कटघोरा पुलिस में दर्ज अपनी शिकायत में बताया कि एक अज्ञात व्यक्ति उनके घर पहुंचा और उन्हें तथा उनके परिवार को गंभीर अंजाम भुगतने की चेतावनी दी। शिकायत के अनुसार गवाह पर अदालत में दिए जाने वाले बयान को बदलने और आरोपियों के पक्ष में गवाही देने के लिए दबाव बनाया जा रहा है। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए कटघोरा पुलिस ने त्वरित संज्ञान लेते हुए अज्ञात आरोपी के खिलाफ धारा 332(1) और 351 के तहत अपराध दर्ज कर लिया है। घटना स्थल पसान थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने के कारण कटघोरा पुलिस ने शून्य (0) पर प्राथमिकी दर्ज कर आगे की विवेचना के लिए केस डायरी पसान थाना स्थानांतरित कर दी है।

17 महीने में 32 वरिष्ठ नागरिकों ने छोड़ा स्नेह सदन

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित स्नेह सदन वृद्धाश्रम एक बार फिर सवालों के घेरे में है। जनवरी 2025 से मई 2026 तक महज 17 महीनों में 32 वरिष्ठ नागरिकों ने वृद्धाश्रम छोड़ दिया जबकि वर्तमान में यहां केवल 20 बुजुर्ग ही निवासरत हैं। करोड़ों रुपये की लागत से तैयार इस वृद्धाश्रम से लगातार हो रहा बुजुर्गों का पलायन व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिन्ह खड़े कर रहा है।

सर्वमंगला मंदिर के समीप स्थित भंडारा गृह भवन को डीएमएफ मद से एक करोड़ रुपये से अधिक की लागत से 60 सीटर स्नेह सदन वृद्धाश्रम में परिवर्तित किया गया था। इसके संचालन के लिए भी प्रतिमाह बड़ा बजट निर्धारित है। बावजूद इसके, आश्रय गृह से लगातार बुजुर्गों के वापस लौटने की घटनाएं सामने आ रही हैं। जनवरी 2025 में 8 बुजुर्गों ने प्रवेश लिया था, लेकिन उसी महीने 3 बुजुर्ग आश्रम छोड़कर चले गए। इसके बाद लगभग हर महीने किसी न किसी बुजुर्ग ने वृद्धाश्रम छोड़ दिया। मई 2026 तक कुल 32 वरिष्ठ नागरिक आश्रम से वापस जा चुके हैं। सूत्रों की मानें तो स्नेह सदन में भारी अव्यवस्था, उपेक्षा और प्रबंधन की खामियों को लेकर कई बुजुर्गों ने समाज कल्याण विभाग के उप संचालक हरीश सक्सेना और परिवीक्षा अधिकारी मुकेश दिवाकर से शिकायत भी की थी। आरोप है कि इन शिकायतों पर कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। जानकारी यह भी सामने आई है कि नगर पालिक निगम के सर्वमंगला जोन प्रभारी ने भी समाज कल्याण विभाग को पत्र लिखकर व्यवस्थाओं में सुधार की आवश्यकता बताई थी लेकिन हालात में कोई उल्लेखनीय बदलाव नहीं आया। अब सवाल यह उठ रहा है कि जब करोड़ों रुपये की लागत और नियमित बजट के बावजूद बुजुर्ग स्वयं वृद्धाश्रम छोड़ने को मजबूर हो रहे हैं, तो आखिर जिम्मेदार कौन है? क्या समाज कल्याण विभाग इन गंभीर आरोपों की निष्पक्ष जांच कर व्यवस्था में सुधार करेगा, या फिर स्नेह सदन केवल कागजों में ही स्नेह का प्रतीक बनकर रह जाएगा।

खास बात

- सरकारी वृद्धाश्रम बना बेबस बुजुर्गों का पलायन केन्द्र

कोयला मजदूर सभा की संगठनात्मक बैठक

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

कोयला मजदूर सभा (एचएमएस) के तत्वावधान में वर्कर्स क्लब ऊर्जानगर गेवरा में संगठनात्मक बैठक का आयोजन संपन्न हुआ।

खास बात

- कोयला मजदूरों की लंबित समस्याओं को लेकर प्रबंधन के समक्ष रखा जाएगा मांग पत्र

बैठक में उपस्थित कोयला मजदूर सभा के पदाधिकारी व सदस्य।

इस बैठक में मुख्य रूप से गेवरा, दीपका एवं सीईडब्ल्यूएस गेवरा क्षेत्र के दर्जनों पदाधिकारियों व सक्रिय सदस्यों ने भाग लिया। साथ ही कुसमुंडा क्षेत्र के वरिष्ठ पदाधिकारियों को भी विशेष रूप से आमंत्रित कर शामिल किया गया।

बैठक का नेतृत्व एवं संचालन केंद्रीय कार्यकारी अध्यक्ष एवं संभागीय प्रभारी केदारनाथ अग्रवाल द्वारा किया गया। मंच संचालन केंद्रीय सचिव गिरिजा साहू द्वारा किया गया। कोयला खदानों में कार्यरत श्रमिकों की सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने और केंद्रीय सुरक्षा समिति के मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। गेवरा, दीपका, सीईडब्ल्यूएस गेवरा और कुसमुंडा क्षेत्रों के मध्य बेहतर संगठनात्मक तालमेल बनाकर श्रमिकों की आवाज को पुरजोर तरीके से उठाने का निर्णय लिया गया। वर्कशॉप एवं खदानों में कार्यरत मजदूरों की लंबित समस्याओं, आवास व्यवस्था व अन्य कल्याणकारी सुविधाओं के शीघ्र निराकरण हेतु प्रबंधन के समक्ष मांग पत्र रखने की रणनीति तय की गई। संगठन के प्रति निष्ठावान सदस्यों की सहभागिता बढ़ाने तथा युवाओं को संगठन में जोड़ने पर सहमति बनी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एवं केंद्रीय पदाधिकारियों के रूप में एचएमएस के केंद्रीय महामंत्री नाथूलाल पाण्डेय, नौशाद खान, राकेश श्रीवास्तव, आनंद मिश्रा, रामांशु पाण्डेय, योगेंद्र मिश्रा, आर. एस. पाल, गिरिजा साहू, अशोक कुमार साहू, मनीष सिंह, अनंत त्रिपाठी, कुसमुंडा क्षेत्र से कमलेश प्रधान, नीरंजन सिंह, सोहन लाल, मोतीराम,विजय विश्वकर्मा, श्रवण कुमार, नितिन शर्मा, अभिषेक युवराज त्रिपाठी, मणिराज शुक्ला सहित अन्य उपस्थित रहे।

आयुक्त ने निर्माणाधीन विकास कार्यों का किया औचक निरीक्षण

बस्ती में निरीक्षण करते आयुक्त व अन्य अधिकारी।

खास बातें

- निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर कड़ी नजर रखने कहा

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

आयुक्त आशुतोष पाण्डेय ने निगम के दर्री जोन के विभिन्न वार्डो व बस्तियों का दौरा कर वहां पर चल रहे विकास व निर्माण कार्यो की कार्यप्रगति का निरीक्षण किया, कार्यो की गुणवत्ता को देखा तथा गुणवत्ता पर कड़ी नजर रखने व समयसीमा में कार्यो को पूरा करने के निर्देश अधिकारियों को दिये। इस दौरान आयुक्त श्री पाण्डेय ने बस्तियों में सड़क, नाली, जल निकासी, स्ट्रीट लाईट व सड़क रोशनी व्यवस्था तथा साफ-सफाई कार्यो से जुड़ी व्यवस्थाओं को चुस्त-दुरूस्त करने हेतु अधिकारियों का आवश्यक मार्गदर्शन भी किया।

आयुक्त आशुतोष पाण्डेय अधिकारियों की टीम के साथ निगम के दर्री जोनांतर्गत आने वाले विभिन्न बस्तियों व मोहल्लों का मैराथन दौरा किया तथा वार्ड व बस्तियों में प्रगतिरत निर्माण कार्यो का औचक निरीक्षण कर कार्यो की कार्यप्रगति का धरातलीय स्तर पर अवलोकन किया। इस दौरान आयुक्त श्री पाण्डेय अयोध्यापुरी बस्ती पहुंचे, वहां पर निर्माणाधीन आंगनबाड़ी भवनों का निरीक्षण किया, उनकी गुणवत्ता को देखा तथा निर्माण कार्यो के दौरान उत्पन्न अवरोधों को दूर कर कार्यो में तेजी लाने के निर्देश अधिकारियों को दिये। इसी प्रकार अयोध्यापुरी में स्थित तालाब का किये गये गहरीकरण कार्य का अवलोकन भी आयुक्त श्री पाण्डेय ने किया, उन्होने अयोध्यापुरी बस्ती के अंदर विभिन्न मोहल्लों का भ्रमण करते हुये बरसाती पानी की निकासी की व्यवस्था को देखा तथा पानी निकासी में आने वाले अवरोधों को तत्काल दूर करने एवं निरंतर जल निकासी की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित किये जाने के निर्देश अधिकारियों को दिये। अयोध्यापुरी बस्ती में निगम द्वारा नाली का निर्माण कराया जाना हैं, आयुक्त श्री पाण्डेय ने उक्त साईड का भी निरीक्षण किया, इसी प्रकार मेन रोड दर्री में निर्माणाधीन बाउण्ड्रीवाल के निर्माण कार्य तथा तुलसीनगर प्राथमिक शाला भवन निर्माण कार्य का निरीक्षण भी आयुक्त श्री पाण्डेय ने किया तथा आवश्यक दिशा निर्देश अधिकारियों को दिये। इस मौके पर मेयर इन काउंसिल सदस्य सरोज शांडिल्य, एल्डरमेन मनोज अग्रवाल, अपर आयुक्त विनय मिश्रा, जोन कमिश्नर लीलाधर पटेल, सहायक अभियंता यशवंत जोगी, प्रमोद जगत आदि सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

महापौर ने विस्थापितों के लिए आनंद बाजार में आवश्यक सुविधाओं के दिए निर्देश

आनंद बाजार का निरीक्षण करती महापौर।

खास बातें

- कंबल व्यवसायियों को आनंद बाजार में दिलाया गया है स्थान

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत बुधवारी बाजार के सामने नवनिर्मित आनंद बाजार पहुंची, उन्होने अधिकारियों की टीम के साथ समूचे आनंद बाजार परिसर का निरीक्षण किया तथा महाराणा प्रताप चौक के आसपास व घंटाघर रोड से विस्थापित किये गये कम्बल कपड़ा आदि के दुकानदारों के लिये आनंद बाजार परिसर पौनी पसारी स्थल के पीछे उपलब्ध कराये गये स्थान पर आवश्यक व्यवस्थाएं शीघ्रता से सुनिश्चित कराये जाने के निर्देश अधिकारियों को दिये।

उल्लेखनीय है कि निगम द्वारा वार्ड क्र. 24 अंतर्गत बुधवारी बाजार के सामने आनंद बाजार का निर्माण कराया जाकर वहां पर 50 से अधिक दुकानें बनाई गई हैं जिन्हें सड़कों के किनारे विभिन्न व्यवसाय करने वालों को आबंटित किया गया है तथा इन व्यवसायियों द्वारा वहां पर शिफ्टिंग भी की जा रही है। अभी वर्तमान में शहर की व्यवस्थाओं को सुव्यवस्थित करने व महाराणा प्रताप चौक तथा घंटाघर मार्ग पर सड़क के किनारे कम्बल कपड़ा दुकान सहित अन्य व्यवसाय करने वाले रोड साईट व्यवसायियों को उनके व्यवसाय संचालन हेतु एक सुव्यवस्थित स्थल उपलब्ध कराये जाने के मद्देनजर आनंद बाजार परिसर स्थित पौनी पसारी के बगल में विस्थापित कराया गया है। महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत ने अधिकारियों की टीम के साथ उक्त स्थल का निरीक्षण किया, विस्थापित किये गये व्यवसायियों से मुलाकात की, उनकी समस्याओं को जाना समझा तथा वहां की साफ-सफाई, जल की निकासी, विद्युत व रोशनी व्यवस्था सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं शीघ्रता के साथ सुनिश्चित कराये जाने के निर्देश अधिकारियों को दिये। इस मौके पर महापौर श्रीमती राजपूत ने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि शहर की विभिन्न सड़कों के किनारे जमीन पर व्यवसाय करने वाले रोड साईट व्यवसायियों को उनके व्यवसाय संचालन हेतु एक सुव्यवस्थित स्थल उपलब्ध कराया जाए, इसी को ध्यान में रखते हुये निगम के विभिन्न क्षेत्रों में वेंडिंग जोन निर्माण के कार्य किये जा रहे हैं, इसी कड़ी में कोसाबाड़ी में सब्जी फल, स्वल्पाहार व्यवसायियों हेतु वेंडिंग जोन का निर्माण कराया जाकर इन रोड साईट व्यवसायियों को विस्थापित किया गया है। इसी प्रकार बुधवारी के सामने आनंद बाजार का निर्माण कराया गया है।

हरिभूमि नं.1 आवश्यक सूचना

प्रिय ग्राहक बंधुओं आपका अपना
प्रिय अखबार हरिभूमि के स्थान पर
अगर कोई अन्य अखबार दिया जा रहा है
तो कृपया इस नंबर पर संपर्क करें
टी.पी. नगर बी. ब्लॉक कामर्शियल
काम्पलेक्स, कोरबा मो. 7049267780